सान्ध्य हिन्दी दैनिक | जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 207 | जौनपुर, बुधवार, 24 अप्रैल 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

यूपी की सभी 80 सीटें जीत रही है भाजपा – पाठक

बहराइच, संवाददाता। देश में जबसे मोदी की सरकार आई है। भ्रष्टाचारी जेल में है और भ्रष्टाचार पूरी तरह बंद हो गया है। वर्ष 2014 से पहले की सरकार योजनाएं तो बनाती थी लेकिन उसको धरातल पर लाने के लिए बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का खेल होता था। प्रदेश में हम सभी 80 सीटें जीत रहे हैं। यह बातें मंगलवार को भाजपा प्रत्याशी के नामांकन में शहर पहुंचे प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कही। शहर के गेंदघर के मैदान के पास भाजपा प्रत्याशी आनंद गोंड के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की रायबरेली, अमेठी समेत सभी 80 सीटों पर भाजपा प्रत्याशी जीत रहें हैं। जनता का समर्थन देखकर यह साबित हो गया है कि जिले में भी आनंद गोंड प्रचंड बहुमत से चुनाव जीत रहे है। विपक्ष के प्रत्याशी की जमानत जब्त हो जाएगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कहीं भी कोई लड़ाई में नहीं है। उन्होंने कहा कि देश में 2014 से मोदी सरकार और प्रदेश में 2017 में प्रदेश में योगी सरकार आने के बाद देश व प्रदेश की दिशा व दशा बदल गई है। उन्होंने पूर्व की सरकारों पर हमला करते हुए कहा कि सरकारें गरीबों के लिए योजनाएं तो बनाती थी लेकिन वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती थी लेकिन आज मोदी सरकार की जितनी भी योजनाएं है सभी को समान रूप से मिल रही है।

सुनीता केजरीवाल ने हनुमान जयंती पर पूजा अर्चना की

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने मंगलवार को हनुमान जयंती के अवसर पर हनुमान मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की। उन्होंने कहा कि अगली बार वह अपने पति के साथ मंदिर में आएंगी। केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने अब रद्द हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन के मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था और वह एक अप्रैल से तिहाड़ जेल में बंद हैं। सुनीता ने कहा, हनुमान बाबा सभी को सदबुद्धि और समृद्धि दें। हनुमान बाबा सभी के और मेरे भी दुख दर्द दूर करें। मैं जल्द ही सर के साथ आऊंगी।'' दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल अकसर कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर आते रहे हैं। इस बीच, तिहाड़ जेल के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स) दिल्ली के चिकित्सकों की सलाह पर केजरीवाल को दो यूनिट निम्न क्षमता की इंसुलिन दी गई। इस खबर का उनकी पार्टी ने स्वागत किया और कहा कि यह घटनाक्रम भगवान हनुमान की कृपा का नतीजा है। आप नेताओं ने आरोप लगाया था कि जेल अधिकारी जानबूझकर दिल्ली के मुख्यमंत्री को इंसुलिन नहीं दे रहे हैं।

एकजुटता ही राजस्थान की सबसे बड़ी पूंजी - पीएम मोदी

राजस्थान, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के टोंक में चुनावी सभा में बोलते हुए कहा कि मुझे आप सभी का प्यार, आशीर्वाद और उत्साह मिला है। आज हनुमान जयंती का शुभ अवसर है और मैं सभी को इसके लिए शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि राजस्थान ये बखूबी जानता है कि सुरक्षित राष्ट्र और स्थायी सरकार कितनी जरूरी है। इसलिए चाहे 2014 हो या 2019 हो, राजस्थान ने एकजुट होकर देश में भाजपा की ताकतवर सरकार बनाने के लिए अपना आशीर्वाद दिया था। आपने 25 की 25 सीटें भाजपा को दी थीं। उन्होंने कहा कि एकजुटता ही राजस्थान की सबसे बड़ी पूंजी है। याद रखिएगा, जब–जब हम बंटे हैं, तब–तब देश के दुश्मनों ने फायदा उठाया है। अब भी राजस्थान को बांटने की पूरी कोशिशें हो रही हैं। इससे राजस्थान को सावधान रहने की जरूरत है। मोदी ने कहा कि 2014 में आपने मोदी को दिल्ली में सेवा का अवसर दिया। फिर देश ने वो फैसले लिए जिनकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। लेकिन आप सोचिए कि 2014 के बाद भी और आज भी अगर दिल्ली में कांग्रेस की सरकार होती तो क्या क्या हुआ होता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस होती, तो जम्मू कश्मीर में आज भी हमारी सेनाओं पर पत्थर चल रहे होते। कांग्रेस होती, तो सीमा पार से आकर दुश्मन आज भी हमारे जवानों के सिर काटकर ले जाते। कांग्रेस होती, तो न ही हमारे फौजियों के लिए वन रैंक–वन पेंशन लागू होती और न ही हमारे पूर्व सैनिकों को 1 लाख करोड़ रुपये मिलते। उन्होंने कहा कि राजस्थान के मेरे भाई–बहन

तो कुछ महीने पहले ही कांग्रेस के पंजे से मुक्त हुए हैं। कांग्रेस पार्टी ने सत्ता में रहते हुए, जो जख्म दिए, वो राजस्थान के लोग कभी भी भूल नहीं सकते। कांग्रेस ने महिलाओं पर अत्याचार के मामले में राजस्थान को नंबर 1 बना दिया था और दुर्भाग्य देखिए कि कांग्रेस के लोग विधानसभा में बेशर्मी के साथ कहते थे कि ये तो राजस्थान की पहचान है। मोदी ने कहा कि टोंक में किन असामाजिक तत्वों के कारण यहां की इंडस्ट्री बंद हो गई, ये भी आप जानते हैं। लेकिन, आपने हमारे भजनलाल जी को सेवा करने का मौका दिया है। जबसे भजनलाल जी और उनकी टीम काम पर लगी है, माफिया और अपराधी राजस्थान छोड़कर भागने पर मजबूर हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हनुमान जयंती पर आपसे बात करते हुए मुझे कुछ दिन पहले की एक तस्वीर भी याद आ रही है। कुछ दिन पहले कांग्रेस के शासन वाले कर्नाटक में एक छोटे दुकानदार को केवल इसलिए बुरी तरह से पीटा गया, क्योंकि वो अपनी दुकान में बैठे–बैठे हनुमान चालीसा सुन रहा था। आप कल्पना कर सकते हैं... कांग्रेस के राज में हनुमान चालीसा सुनना भी गुनाह हो जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तो राम–राम सा कहने वाले राजस्थान में रामनवमी पर प्रतिबंध लगा दिया था। कांग्रेस ने शोभायात्रा पर पत्थरबाजी करने वालों को सरकारी संरक्षण दिया था। इसी कांग्रेस पार्टी ने तुष्टिकरण के लिए मालपुरा, करौली, टोंक और जोधपुर को दंगों की आग में झोंक दिया था। मोदी ने कहा कि अब भाजपा सरकार आने के बाद किसी की हिम्मत नहीं है कि आपकी आस्था पर सवाल उठा दे। अब आप चौन से हनुमान चालीसा भी गाएंगे और रामनवमी भी मनाएंगे। ये भाजपा की गारंटी है। उन्होंने कहा कि परसो जब मैं राजस्थान आया था, तो अपने एक 90 सेकंड के भाषण में मैंने कुछ सत्य देश के सामने रखा था। उससे पूरी कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में भगदड़ मच गई है। मैंने देश के सामने सत्य रखा था कि कांग्रेस आपकी संपत्ति छीनकर अपने खास लोगों को बांटने की गहरी साजिश रचकर बैठी है। उन्होंने कहा कि 2–3 दिन पहले मैंने कांग्रेस की इस वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति का पर्दाफाश किया था। इससे कांग्रेस और उसके इकोसिस्टम को इतनी मिर्ची लगी है कि वो हर तरफ मुझे गालियां देने में जुटे हैं। मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि आखिर वो सच्चाई से इतना डरते क्यों हैं। कांग्रेस क्यों अपनी नीतियों को छिपाने में लगी है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस वोटबैंक पॉलिटिक्स के दलदल में इतना धंसी हुई है कि उसे बाबा साहेब के संविधान की भी परवाह नहीं है। मेनिफेस्टो में लिखा है कि आपकी संपत्ति का सर्वे करेंगें।

यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई - खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनाव प्रचार किया। हम देख रहे हैं कि भाजपा सरकार संविधान को बदलने पर तुली हुई है। आरएसएस प्रमुख से लेकर वर्तमान सांसद या भाजपा

उम्मीदवार तक, वे बयान दे रहे हैं कि एक बार भाजपा को दो–तिहाई बहुमत मिल जाए, तो वे संविधान बदल देंगे, इसलिए वे कह रहे हैं अबकी बार 400 पार। इस बार भारत की जनता मोदी जी को सबक सिखाएगी! उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह चुनाव भारत के संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई है। खड़गे ने आगे कहा कि मैं मोदी को चुनौती देता हूं, अगर उन्हें इस देश के गरीब लोगों के लिए कोई चिंता है और सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देना चाहते हैं, तो उन्हें उन सभी भाजपा नेताओं को निष्कासित करना चाहिए जो कह रहे हैं कि वे संविधान बदल देंगे। अगर मोदी में हिम्मत है तो उन्हें यह कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि सत्ता में आने के बाद, इंडिया गठबंधन सरकार देशव्यापी जाति –आधारित जनगणना कराएगी। हम आरक्षण की मौजूदा ऊपरी सीमा को भी बढ़ाएंगे। हम एक शविविधता आयोगश का गठन करेंगे जो सार्वजनिक और निजी रोजगार के साथ–साथ शिक्षा में विविधता को मापेगा, निगरानी करेगा और बढ़ावा देगा।खड़गे ने कहा कि जब नरेंद्र मोदी सत्ता में आए, तो उन्होंने सबका साथ, सबका विकास का वादा किया। उन्होंने सबका साथ तो लिया, लेकिन सबका विकास नहीं कियाय इसके बजाय, उन्होंने सबका सत्यानाश किया। पिछले साल मोदी ने 14 देशों की यात्रा की और सैकड़ों चुनावी बैठकों में हिस्सा लिया, लेकिन वह एक बार भी मणिपुर नहीं गए। उन्होंन साफ तौर पर कहा कि झूठे हैं प्रधानमंत्री मोदी!पहले चुनाव में उन्होंने कालाधन वापस लाने और रुपये बांटने का वादा किया था। सभी को 15 लाख रु. क्या आपको वादे के मुताबिक 15 लाख रुपये मिले? उन्होंने हर साल 2 करोड़ नौकरियां पैदा करने का वादा किया. क्या मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में 20 करोड़ नौकरियां पैदा कीं? कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधान मंत्री मोदी ने एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की है, और भाजपा के लोग उन्हें एक वैश्विक व्यक्ति के रूप में सम्मानित करते हैं। केरल अपने विकास के लिए जाना जाता था. दुर्भाग्य से, पिछले 8 वर्षों में, सरकार ने कर्ज में डूबी अर्थव्यवस्था को वेतन और पेंशन प्रदान करने के लिए पर्याप्त धन के बिना सुनिश्चित किया है।

विकास की कावड़ यात्रा लिए पूरब–पश्चिम, उत्तर–दक्षिण चारों दिशाओं में निकले हैं पीएम मोदी – मंत्री अमित शाह

मुंबई, एजेसी। अमित शाह ने महाराष्ट्र के अकोला में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आजादी के बाद 70 साल तक कांग्रेस और इनके चट्टे–बट्टों ने राम मंदिर को अटका कर रखा, भटका कर और लटका कर रखा। आपने मोदी जी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया, उन्होंने 5 ही साल में केस भी जीता, भूमिपूजन भी किया और प्राण प्रतिष्ठा कर के जय श्रीराम कर दिया। समग्र देश का विकास करना, विकसित भारत बनाना, यही संकल्प है इस कावड़ यात्रा का। कांग्रेस वाले देश को दुनिया में 11वें नंबर का अर्थतंत्र बनाकर छोड़ गए थे। मोदी जी भारत को पांचवें नंबर पर लाए, अब आप उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बना दीजिए, पांचवें नंबर से तीसरे नंबर पर लाने का काम हमारे मोदी जी करेंगे। अकोला की कावड़ यात्रा पूरे देश में प्रसिद्ध है। पूर्णा नदी का पानी लेकर सभी महादेव पर चढ़ाने जाते हैं। उसी तरह मोदी जी भी विकास की कावड़ यात्रा लेकर पूरब–पश्चिम, उत्तर–दक्षिण चारों दिशाओं में निकले हुए हैं। आज हनुमान जयंती है और अभी थोड़े समय

पहले ही मोदी जी ने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कर के उनका भव्य मंदिर बनाया है। ष्छक्प् अलायंस वाले कहते हैं कि राम मंदिर नहीं बनना चाहिए था। आजादी के बाद 70 साल तक कांग्रेस और इनके चट्टे–बट्टों ने राम मंदिर को अटका कर रखा, भटका कर और लटका कर रखा। आपने मोदी जी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया, उन्होंने 5 ही साल में केस भी जीता, भूमिपूजन भी किया और प्राण प्रतिष्ठा कर के जय श्रीराम कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने 70 साल तक, अनुच्छेद 370 को एक अवैध बच्चे की तरह लाड़–प्यार दिया।

भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा – पीयूष

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में भ्रष्टाचार मुक्त शासन दिया है और अगले कुछ साल में देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने यहां व्यापारियों की एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था तेज गति से बढ़ रही है और वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए गए हैं। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश दुनिया में अग्रणी बनेगा। मंत्री ने कहा कि यह मोदी की गारंटी है कि भारत उनके तीसरे कार्यकाल में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

बिहार की प्रगति के लिए एनडीए का करें समर्थन – नीतीश कुमार

बिहार, एजेंसी। बिहार के 74 वर्षीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के लोगों से राज्य में लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवारों को समर्थन देने का आग्रह किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि राज्य की प्रगति और समृद्धि की यात्रा रुके या उलटे नहीं। कुमार ने कहा कि जब उन्होंने 2005 में मुख्यमंत्री का पद संभाला था तब राज्य दयनीय स्थिति में था और उन्होंने राज्य की कई समस्याओं को ठीक करने के लिए कड़ी मेहनत की थी। कटिहार से जेडीयू प्रत्याशी दुलाल चंद्र गोस्वामी के समर्थन में एक चुनावी रैली में बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि मैं आपसे वोट मांगने आया हूं मैं चाहता हूं कि हम 40 सीटें जीतें और हम देश में 400 सीटें जीतेंगे। नरेंद्र मोदी दोबारा प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि देश आगे बढ़ेगा, बिहार आगे बढ़ेगा। लालू यादव और उनके परिवार पर हमला करते हुए नीतीश ने कहा कि बाकी लोगों ने आज तक कोई काम नहीं किया। वे केवल पैसा कमाने में व्यस्त रहेंगे। वे अपने परिवार को बढ़ाने में व्यस्त रहेंगे। उन्होंने कहा कि आप सब जानते हैं कि मैंने प्रदेश को निराशा की स्थिति से बाहर निकालकर परिवर्तन के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया। बिहार ने अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा वापस पा ली और इसके लोगों को सड़क, निर्बाध बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं मिलीं जिनके वे हकदार थे लेकिन उन्हें वंचित कर दिया गया था।

बसपा कहने में नहीं, करने में विश्वास रखती - मायावती

मेरठ, संवाददाता। बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को कसम खाई कि अगर पार्टी सत्ता में आती है तो वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों को मिलाकर एक अलग राज्य बनाएगी और मेरठ में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एक पीठ स्थापित करने की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करेगी। उनकी टिप्पणी मेरठ सीट से अपनी पार्टी के उम्मीदवार के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते समय आई। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधा। भाजपा की नीतियां मुख्यतः जातिवादी, पूंजीवादी, संकीर्ण, सांप्रदायिक और दुर्भावनापूर्ण हैं। उनका काम भी उनकी बातों से मेल नहीं खाता। ऐसा लगता है कि जो वादा किया गया था और जो पूरा किया गया, उसमें इस अंतर के कारण बीजेपी का सत्ता में वापस आना मुश्किल हो जाएगा। मायावती ने दावा किया कि कांग्रेस और भरतीय जनता पार्टी ने चुनावी घोषणा पत्र जारी करते हुए जनता से हर बार धोखा किया है। यही कारण है कि बसपा अपना घोषणा

पत्र चुनाव में लेकर नहीं आती है, क्योंकि बसपा कहने में नहीं, करने में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि इस बार भाजपा केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस नहीं आएगी, बशर्ते मशीन में खराबी की जाए। इनकी कोई भी नाटकबाजी और जुमलेबाजी किसी काम नहीं आने वाली है। उन्होंने आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस, भाजपा और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सपा नहीं चाहती कि एससीध्एसटी समुदाय के लोगों को आरक्षण का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि लखनऊ की तरह मेरठ में भी इलाहाबाद उच्च न्यायालय की खंडपीठ की आपकी पुरानी मांग के संबंध में हम सकारात्मक कदम उठाएंगे। केंद्र सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है लेकिन जब हम केंद्र में सत्ता में आएंगे तो इस संबंध में सकारात्मक कदम उठाएंगे। उन्होंने अपनी सरकार द्वारा एक अलग राज्य के लिए एक प्रस्ताव पारित करने का जिक्र किया जिसे केंद्र को भेजा गया था और कहा कि उनकी पार्टी का शुरू से ही विचार रहा है कि क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए पश्चिमी क्षेत्र को एक अलग राज्य बनाया जाना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने सवाल पूछा, जब पदोन्नति में आरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए राज्यसभा में बसपा संशोधन विधेयक लेकर आई तो सपा सांसदों ने संसद में इस बिल को फाड़ दिया था। आप खुद ही बताइए कि ऐसी समाजवादी पार्टी दलितों शोषितों का क्या भला कर सकती है?

भारत दक्षिण पूर्व एशिया में मित्रता और सहयोग की संधि पर हस्ताक्षर करने वाले पहले देशों में आगे – एस. जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। पहले आसियान फ्यूचर फोरम में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा कि भारत दक्षिण पूर्व एशिया में मित्रता और सहयोग की संधि पर हस्ताक्षर करने वाले पहले देशों में से एक है। ये कदम क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता बनाए रखने के प्रति हमारे सामूहिक संकल्प को दर्शाता है। इसमें हमने पहला स्थान हासिल किया है। 2023 में आसियान –भारत समुद्री अभ्यास और दूसरे संस्करण को पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि पर आयोजित करने का लक्ष्य, क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास की भारत की पहल का उद्देश्य क्षेत्र में शांति और स्थिरता में योगदान देना है। भारत और आसियान सदस्य देश विभिन्न उप–क्षेत्रीय तंत्रों, अर्थात् मेकांग–गंगा सहयोग, इंडोनेशिया – मलेशिया –थाईलैंड विकास त्रिकोण और बिम्सटेक के तहत भी मिलकर काम कर रहे हैं। एस जयशंकर ने कहा कि मुझे आज वर्चुअल तौर पर इस मंच से जुड़कर खुशी हो रही है। आसियान–भारत संबंध अब अपने चौथे दशक में प्रवेश कर चुका है और एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी में परिपक्व हो गया है। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा कि हम वास्तव में आसियान एकता, आसियान केंद्रीयता और इंडो–पैसिफिक भारत पर आसियान दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं विश्वास है।

अंबेडकर के बनाए संविधान से चलेगा देश - योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पार्टी की

आलोचना की और कहा कि भारत भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान से चलेगा, किसी शरिया कानून से नहीं। योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर परोक्ष हमला किया और कहा कि 1970 में, पार्टी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया, और, ष्गरीबी तो खध्त्म नहीं हुई लेकिन एक परिवार को देश के संसाधनों को लूटने की पूरी आजादी मिल गई। योगी ने आगे कहा, ष्तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री रहते हुए कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है...तो हमारे दलित, पिछड़े, गरीब, किसान आदि कहां जाएंगे? उन्होंने कहा कि आजादी के 70 साल बाद भी कांग्रेस और उसके सहयोगियों का शासन रहा, फिर भी 50 करोड़ लोगों के पास बैंक खाता नहीं था... अगर इतने सारे लोग इन बुनियादी जरूरतों से वंचित हैं तो इसके लिए कांग्रेस और उसके सहयोगी जिम्मेदार हैं।

इंडिया गठबंधन ही कर सकता है भारत का तेज, समावेशी और टिकाऊ विकास – जयराम रमेश

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने मंगलवार को आर्थिक विषमता के विषय को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि भारत का तेज, समावेशी और टिकाऊ विकास इंडिया गठबंधन सरकार ही कर सकती है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि पिछले 10 वर्षों में अधिकतर सार्वजनिक संपत्तियां और संसाधन एक या दो कंपनियों के हाथों बेच दिए गए। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री आपको ये सब कभी नहीं बताएंगे कि 2012 से 2021 तक देश में बनी संपत्ति का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा सिर्फ एक प्रतिशत आबादी के पास गया है। उन्होंने दावा किया कि देश में कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का लगभग 64 प्रतिशत गरीबों, निम्न मध्य वर्ग और मध्य वर्ग से आता है। रमेश ने कहा, पिछले दस वर्षों में अधिकतर सार्वजनिक संपत्तियां और संसाधन एक या दो कंपनियों के हाथों बेचे गए हैं। अर्थशास्त्रियों ने बताया है कि अर्थव्यवस्था में बढ़ते एकाधिकार के कारण महंगाई बढ़ी है। उनके मुताबिक, आज 21 अरबपतियों के पास कुल मिलाकर 70 करोड़ भारतीयों से अधिक संपत्ति है। भारत को तेज आर्थिक विकास की जरूरत है। भारत को बहुत अधिक समावेशी आर्थिक विकास की आवश्यकता है।

संपादकीय

असाधारण कार्य

अर्नेस्ट हेमिंग्वे के दिवालियापन की तरह, उत्तर प्रदेश पुलिस की बर्बादी धीरे–धीरे, फिर अचानक हुई। अचानक और तीव्र पतन का नवीनतम संकेत वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में हिंदू पुजारी पोशाक में राज्य पुलिस के वर्दीधारी सदस्यों की तैनाती थी। मंदिर के अंदर तैनात आठ पुलिसकर्मी लाल धोती–कुर्ता में हैं, कलश और स्वस्तिक की छवि वाला सफेद गमछा पहने हुए हैं। उनके गले में रुद्राक्ष की माला और माथे पर तिलक है। उनकी चार महिला सहकर्मी नारंगी सलवार–कुर्ता और शिव को नमस्कार छपे दुपट्टे में हैं। यह भारत के इतिहास में पहली बार होगा, और शायद दुनिया में कहीं भी आधुनिक, लोकतांत्रिक गणराज्य में पहली बार होगा। उसी मंदिर में तैनात होने पर पुजारियों की तरह पोशाक पहनने का एक समान निर्णय, कुछ पुजारियों द्वारा इस कदम का विरोध करने के बाद 2018 में वापस लेना पड़ा। 2021 में, तत्कालीन भारतीय जनता पार्टी शासित कर्नाटक में, कुछ पुलिस कर्मियों ने विजयादशमी समारोह के हिस्से के रूप में बीजापुर और उडुपी में भगवा कपड़े पहनकर ड्यूटी के लिए रिपोर्ट की थी। इनका कड़ा विरोध हुआ। इस बार भी यह सिलसिला जारी है. वर्दीधारी पुरुष और महिलाएं, धर्मनिरपेक्ष संविधान के प्रति अपनी वफादारी के अनुसार कानून के शासन को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं, पुलिसिंग ड्यूटी के दौरान बहुसंख्यक धर्म की आड़ लेते हैं – और इसका दिखावा करते हैं – कई असहज सवाल खड़े करते हैं। केवल एक ही स्थिति है जिसमें ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी बड़ी जनता के साथ घुलने–मिलने के लिए ऐसे धार्मिक परिधान पहन सकते हैं। ऐसा तब होता है जब वे खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के कर्तव्यों पर होते हैं, भले ही पूरी तरह से गुप्त न हों, ताकि किसी भी विकासशील खतरे पर नजर रखते हुए ध्यान आकर्षित न किया जा सके। यहां पर यह मामला नहीं है। राज्य पुलिस इस कदम को आधुनिक पुलिसिंग में एक अग्रणी उद्यम के रूप में दिखावा कर रही है, जहां भीड़ प्रबंधन के लिए एक मंदिर के अंदर तैनात पुलिसकर्मियों ने लाल और भगवा रंग के लिए अपनी खाकी वर्दी उतार दी है और पुजारी की तरह दिखने के लिए तिलक और रुद्राक्ष धारण कर लिया है। आधिकारिक तौर पर बहाना यह है कि इससे हिंदू तीर्थस्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं को अधिक सहजता महसूस होगी। तर्क में पुलिस की वर्दी को सार्वजनिक बातचीत के लिए अनुपयुक्त बताया गया है। अगर ऐसा है तो पुलिस को हर जगह वर्दी से छुटकारा पाना चाहिए। इसके अलावा, यह वर्दी का दृश्य अधिकार है जो भीड़ को दुर्व्यवहार करने से रोकता है और आदेशों का पालन करता है। नई धार्मिक पोशाक, मंदिर के अंदर कई हिंदू स्वयंसेवकों या भक्तों द्वारा पहनी जाने वाली पोशाक के समान है, इसमें हिंदू छाप है लेकिन कानून का अधिकार नहीं है। जनता द्वारा आसानी से पहचाने बिना, यह नई पोशाक पुलिस के प्रति सम्मान को कम करती है और परिसर में अप्रिय स्थिति पैदा कर सकती है। अंततः, कानून लागू करने वालों को खुद को पुलिस बल के सदस्यों के रूप में पहचानने के लिए कुछ अन्य मार्कर पहनने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। यदि नहीं, तो इससे राज्य के अधिकार और वर्दी के प्रति सम्मान में कमी आएगी। प्रथम दृष्टया, यह कदम अवैध लगता है क्योंकि यह पुलिस की वर्दी के नियमों का उल्लंघन करता है। जब तक इन नियमों को राज्य सरकार द्वारा संशोधित कर अधिसूचित नहीं किया जाता, तब तक स्थानीय स्तर पर ऐसा निर्णय नहीं लिया जा सकता. इसे अदालतों में चुनौती दी जा सकती थी, हालांकि आलोचकों का आरोप है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के हाल के कुछ फैसलों ने प्रगतिशील समाधान की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। आदर्श स्थिति में, सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया रिपोर्टों के आधार पर स्वतरू संज्ञान लेते हुए इस कदम पर ध्यान दिया होता और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की होती। यह कदम पूरी तरह से असंवैधानिक है। ऐसा नहीं है कि अधिकारियों ने प्रत्येक पुलिसकर्मी और महिला पुलिसकर्मी को मुस्लिम, ईसाई या सिख धार्मिक पूजा स्थल के अंदर उन धर्मों के पुजारियों की वेशभूषा में रखने का निर्णय लिया है। केवल बहुसंख्यक धर्म के लिए ऐसा करना स्वतंत्र भारत के मूलभूत आधार धर्मनिरपेक्षता की हर कसौटी पर खरा नहीं उतरता। पुलिस भारतीय संविधान की सेवा में है, हिंदू धर्म की नहीं। पुलिसकर्मी अपनी निजी क्षमता में अपने धर्म का पालन करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन वर्दी में नहीं। बहुसंख्यक धर्म की आड़ लेना एक असाधारण कार्य है। यह भारत के संविधान के अक्षरशः और उसकी भावना की अवहेलना करने का एक असाधारण कार्य है। आजादी के समय भारत ने हिंदू पाकिस्तान न बनने का फैसला किया। भारतीय राज्य का उद्देश्य भारतीयों के बीच धर्म, जाति, नस्ल, पंथ, रंग, भाषा, खान–पान की आदतों या पोशाक के आधार पर भेदभाव करना नहीं है। यहां चर्च और राज्य अलग–अलग हैं। धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान के अक्षरशः और उसकी भावना में सन्निहित है। पाकिस्तान ने एक अलग रास्ता अपनाया और जल्द ही सेना को यह घोषणा करनी पड़ी कि उसका उद्देश्य इस्लामी गणतंत्र की वैचारिक सीमाओं की रक्षा करना है। 2011 में, हमने देखा कि पंजाब के गवर्नर सलमान तासीर को उनकी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी ने गोली मार दी, क्योंकि हत्यारे को यह विश्वास दिला दिया गया था कि तासीर ने ईशनिंदा का समर्थन किया था। फांसी दिए जाने के बाद हत्यारे मुमताज कादरी का दफन स्थान इस्लामाबाद में एक प्रमुख तीर्थस्थल बन गया है। जब राज्य स्वयं को अपने बहुसंख्यक धर्मों के साथ पहचानते हैं और आधुनिक बनाम धर्मतंत्र को बढ़ावा देते हैं।

मोदी के 10 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन

आदित्य

19 अप्रैल से जून की शुरुआत के बीच दुनिया के सबसे बड़े चुनाव में 960 मिलियन से अधिक भारतीयों ने मतदान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है। और सर्वेक्षणों से पता चलता है कि यह इस उद्देश्य को प्राप्त कर लेगा। अगर अकेले आर्थिक विकास के आंकड़ों पर गौर करें तो मोदी सरकार का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। 2014 में जब मोदी सत्ता में आए तो आर्थिक विकास सुस्त था। हाई–प्रोफाइल भ्रष्टाचार के मामलों की एक श्रृंखला के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेशकों का विश्वास कम हुआ। लेकिन 2014 और 2022 के बीच, भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) प्रति व्यक्ति (प्रति व्यक्ति आय का एक माप) 5,000 अमेरिकी डॉलर (ख 4,000) से बढ़कर 7,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया – आठ वर्षों में लगभग 40: की वृद्धि। ये गणनाएँ क्रय शक्ति समता का उपयोग करती हैं, जो समय के साथ और देशों के बीच सामान्य क्रय शक्ति की तुलना करने का एक तरीका है। यह वृद्धि मोदी के पहले कार्यकाल की शुरुआत में 500 रुपये (ख4.80) और 1000 रुपये (ख9.60) के नोटों को प्रचलन से बाहर करने के गलत प्रयास के बावजूद हुई।

नोटों को खध्त्म करने से नकदी की भारी कमी हो गई, जिससे प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 2016 में 6.98: से घटकर 2017 में 5.56: हो गई। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 2024 में 6.5: की दर से बढ़ने का अनुमान है। यह चीन की अनुमानित 4.6: की वृद्धि से अधिक है, और किसी भी अन्य बड़ी अर्थव्यवस्था से अधिक है। उदाहरण के लिए, यूके की अर्थव्यवस्था 2024 में 0.6: बढ़ने की उम्मीद है। हालाँकि, हालिया अनुमान यह भी बताते हैं कि भारत में असमानता अब तक के उच्चतम स्तर पर है। विकास, जब भी हुआ है, असमान प्रतीत होता है। अपने अगले कार्यकाल में मोदी सरकार के सामने एक प्रमुख चुनौती उच्च विकास को उत्पादक नौकरियों में बदलना और साथ ही भारत के आर्थिक और राजनीतिक अभिजात वर्ग की अतिरिक्त संपत्ति पर अंकुश लगाना होगा। धुआं और दर्पण? भारत के आर्थिक प्रदर्शन का आकलन करना कठिन है क्योंकि सरकार ने 2011 के बाद से गरीबी और रोजगार पर आधिकारिक डेटा प्रकाशित नहीं किया है। इसके कारण विश्लेषकों ने वैकल्पिक डेटा स्रोतों का उपयोग करना शुरू कर दिया है जो भारत सरकार के बड़े और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि उपभोग और रोजगार सर्वेक्षण के समान विश्वसनीय नहीं हैं। सांख्यिकीय एजेंसी. परिणामस्वरूप, गरीबी के आकलन में बेतहाशा भिन्नता देखने को मिलती है। चुनाव से दो महीने से भी कम समय पहले, भारत सरकार ने एक फैक्टशीट जारी की, जो बताती है कि 2022 में भारत में गरीबी ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर आ गई है। परिणाम भारत सरकार द्वारा किए गए एक बड़े उपभोग सर्वेक्षण पर आधारित थे। लेकिन सरकार के अनुमान के पीछे का वास्तविक डेटा स्वतंत्र विश्लेषण के लिए जारी नहीं किया गया था। डेटा में पारदर्शिता की कमी के कारण ऐसी स्थिति पैदा हो गई है जहां कोई भी नहीं जानता कि गरीबी और असमानता का सही अनुमान क्या है। यह उस देश के लिए एक खेदजनक स्थिति है जो अपने अग्रणी घरेलू सर्वेक्षणों के लिए जाना जाता है जो अतीत में अपने समय से बहुत आगे थे। नव कल्याणवाद अपने दूसरे कार्यकाल में, मोदी सरकार ने सार्वजनिक वस्तुओं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को कम भ्रष्ट तरीके से वितरित करने पर अधिक जोर दिया। इसमें एक बड़े पैमाने पर ग्रामीण सड़क निर्माण कार्यक्रम की शुरुआत हुई और लगभग 99: भारतीय वयस्कों का आधार में नामांकन हुआ, जो फिंगरप्रिंट और आईरिस स्कैन से जुड़ी एक डिजिटल आईडी प्रणाली है। आधार रोलआउट ने, विशेष रूप से, राष्ट्रीय और राज्य सरकारों को गरीबों को उनके आधार से जुड़े बैंक खातों के माध्यम से सीधे लाभ वितरित करने की अनुमति दी है। इससे गरीब परिवारों को सब्सिडी के वितरण में रिसाव को रोकने में भी मदद मिली है, जो लंबे समय से भारत के कल्याण वितरण के लिए अभिशाप रहा है। शौचालय और खाना पकाने के सिलेंडर जैसे आवश्यक सामान, जो आम तौर पर निजी तौर पर उपलब्ध कराए जाते हैं, सरकार द्वारा बड़ी संख्या में आपूर्ति की गई थी। इसके चलते भारतीय अर्थशास्त्री और सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यम ने भारत में न्यू वेलफरिज्म कहा। महामारी के दौरान कल्याण कार्यक्रमों का वितरण सबसे तेजी से हुआ। उदाहरण के लिए, सरकार का खाद्य सब्सिडी बिल 2019–2020 और 2021–2022 के बीच लगभग पांच गुना बढ़ गया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि लोगों को किफायती खाद्यान्न उपलब्ध हो सके। सफलता के अन्य क्षेत्र भी रहे हैं। बिजली तक पहुंच वाले भारतीय गांवों का अनुपात 2014 में 88: से बढ़कर 2020 में 99.6: हो गया है। और भारत में 71.1: लोगों के पास अब एक वित्तीय संस्थान में खाता है, जो 2014 में 48.3: से अधिक है। भारत के गरीबों को वस्तुओं और सेवाओं के व्यापक प्रावधान के साथ–साथ नकदी के इन बड़े पैमाने पर हस्तांतरण के कारण भाजपा को हाशिए पर रहने वाले समूहों के बीच लोकप्रियता बढ़ गई है। ऐतिहासिक रूप से, ये समूह विपक्षी कांग्रेस पार्टी को वोट देते रहे हैं। अच्छी नौकरियों का अभाव मोदी सरकार ने भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ाया है। लेकिन यह भारत की श्रम शक्ति के बड़े हिस्से के लिए उत्पादक नौकरियां पैदा करने में उतना सफल नहीं रहा है जो अकुशल हैं।

सियाचिन पर पूर्ण प्रभुत्व के 40 साल

रजा

चालीस वर्ष हो गए, जब दुनिया की सबसे ऊंची व ठंडी चोटी और संभवतः सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण सीमा रेखा पर पाकिस्तानी कब्जे को रोकने के लिए भारतीय सेना के पहले जत्थे को सियाचिन ग्लेशियर स्थित चौकी पर भेजा गया था। आखिर क्यों भारत और पाकिस्तान सियाचिन के पीछे पड़े थे? साफ है कि दोनों पक्षों के सीमा संबंधी दावे के अलावा भी बहुत कुछ था। असल में, पाकिस्तानी 1960 के दशक में चीन में रची गई एक योजना पर काम कर रहे थे, जिसमें न केवल अक्साई चिन के उत्तरी हिस्सों को जोड़ना था, बल्कि 10 करोड़ एकड़ जमीन में ताजे पानी के स्रोतों (जो सियाचिन के पास हैं) का दोहन करना था, जिसकी चीन और पाकिस्तान को बेहद जरूरत थी। पाकिस्तान को अधिक बांधों और पनबिजली (बिजली) के लिए, जबकि चीन को माइक्रोचिप दिग्गज बनने के लिए। 30 सेमी वर्ग शीट सिलिकॉन वेफर्स बनाने के लिए 10,000 लीटर ताजा पानी को रेगिस्तानी रेत और रसायनों के साथ मिलाया जाता है। और उस क्षेत्र में बहुत सारे ग्लेशियर हैं, जिसे पाकिस्तान ने फरवरी–मार्च, 1963 में चीन को सौंप दिया था। सियाचिन शक्सगाम घाटी और अक्साई चिन के बीच है। इसलिए यह भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद फायदेमंद है। कई लोग पहले इसके रणनीतिक महत्व को नहीं समझते थे, बस इसे अपनी भूमि मानते थे। सियाचिन ग्लेशियर के आसपास बर्फीली ऊंचाइयों पर भारत की सैन्य उपस्थिति अप्रैल, 1984 में भारत के तत्कालीन उत्तरी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल छिब्बर की सिफारिशों पर सरकारी अनुमति से शुरू की गई थी। लेकिन श्क्षेत्र का रणनीतिक महत्व तब भी उतना ज्यादा नहीं थाश, न ही हमारा उद्देश्य किसी क्षेत्र पर कब्जा करना था। श्यह केवल यह सुनिश्चित करने के लिए था कि हमारे साथ वैसा कुछ न हो, जैसा कि पचास के दशक की शुरुआत में अक्साई चिन में हुआ थाश, क्योंकि 1962 के चीनी आक्रमण के बाद से नई दिल्ली अपनी सीमाओं के पास मानचित्र संबंधी अस्पष्टताओं के प्रति काफी संवेदनशील रही है। वास्तव में सियाचिन पर विवाद मानचित्र संबंधी विवाद से उत्पन्न हुआ है। आज जिसे नियंत्रण रेखा कहा जाता है, वह 1949 में संघर्ष विराम रेखा थी। वास्तविक सीमा रेखा जम्मू के उत्तर से शुरू होकर एनजे 9842 नामक पर्वत की ऊंचाई पर अचानक समाप्त होती है। इसके अलावा, भारत–पाकिस्तान के बीच 1949 की कराची संधि और 1972 की सुचेतगढ़ संधि के अनुसार, ग्लेशियर नो मैन्स लैंड है। लेकिन 1970 के दशक से कई मानचित्रों में सियाचिन ग्लेशियर को पाकिस्तान के हिस्से के रूप में दिखाया जाने लगा था। इन सभी में संघर्ष विराम रेखा (अब एलओसी) स्पष्ट रूप से एनजे 9842 से उत्तर–पूर्व दिशा में काराकोरम दर्रे और चीनी सीमा तक फैली हुई दिखाई देती है। ऐसा तब तक पाकिस्तानी मानचित्रों में भी नहीं था! जाहिर है, यह भ्रम कुछ मानचित्रों से पैदा हुआ है, जो शुरू में अमेरिकी रक्षा मानचित्रण एजेंसी द्वारा तैयार किए गए थे, जिसमें 1970–80 के दशक में एनजे 9842 पूर्वोत्तर के आसपास से काराकोरम दर्रे तक चलने वाली एलओसी को दर्शाया गया था। लगता है कि अमेरिका के मानचित्र निर्माताओं द्वारा यह गलती वायु रक्षा सूचना क्षेत्र के चिह्नों को एक सीमा रेखा के रूप में श्अनुवादश करने के कारण हुई, जो नागरिकध्सैन्य विमानन में हवाई यातायात नियंत्रकों के लिए क्षेत्रीय सीमाएं प्रदान करता है। इससे यह भ्रम हुआ कि नियंत्रण रेखा का विस्तार एनजे 9842 से काराकोरम दर्रे तक हो गया और इस तरह यह पाकिस्तानियों की दिलचस्पी का विषय बन गया। हालांकि, ऐसे कई वायु रक्षा सूचना क्षेत्र हो सकते हैं, जो एक देश से होकर गुजर सकते हैं, पर ये राष्ट्रीय सीमा रेखाएं नहीं हैं। लेकिन दुनिया के कई प्रमुख एटलस द्वारा ऐसे मानचित्रों के प्रकाशन ने पाकिस्तानी सेना को एनजे 9842 से परे नियंत्रण रेखा पर विवाद के लिए प्रोत्साहित किया, और यहीं पर सियाचिन क्षेत्र स्थित है। शुरू में जनरल जिया– उल– हक के शासन में महत्वाकांक्षी सैन्य कमांडरों द्वारा उकसाए जाने पर पाकिस्तान ने सियाचिन ग्लेशियर के आसपास की हिमनद ऊंचाइयों पर कब्जा करने की योजना बनाई। लेकिन साल्टोरो रिज पाकिस्तान के दुस्साहस के खिलाफ हमारी रक्षा दीवार है। प्रारंभिक चरण में सियाचिन ग्लेशियर की पश्चिमी दीवार पर कब्जे की कोशिश में सैकड़ों लोग हताहत हुए। हालांकि भारतीय सेना ने वायुसेना की मदद से अपना कब्जा बरकरार रखा। वर्ष 1984 से 1987 तक हमारी सेना ने इसके लिए लड़ाई लड़ी और ऊंचाई पर नियंत्रण करके सियाचिन ग्लेशियर पर अपना पूर्ण प्रभुत्व जमाया। इसने पाकिस्तान को हैरान कर दिया और उसने भारतीय सेनाओं को वहां से हटाने की कई कोशिशें कीं, लेकिन वे विफल रहे। अब वे 1983 से पहले की स्थिति में लौटने की बात कर रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तानी सेना को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदगी झेलनी पड़ रही है। और अब चूंकि पाकिस्तानी सेना साल्टोरो रिज पर भारतीय सैनिकों के कब्जे को वापस हटा नहीं सकती, इसलिए उसके सैनिकों को निचली घाटी में डेरा डालना होगा। हालांकि उसके सैन्य अधिकारियों ने 40 वर्षों से सियाचिन ऑपरेशन को लेकर अपने झूठ को फैलाया है। पाकिस्तानी मीडिया के एक वर्ग ने कहा कि भारत ग्लेशियर पर अपने सैनिकों को रखने का खर्च वहन नहीं कर सकता, जबकि भारत आसानी से खर्च वहन कर रहा है। सियाचिन में सैनिकों को रखने के लिए प्रति वर्ष लगभग 2,000 करोड़ रुपये की लागत भी भारत के रक्षा बजट का एक छोटा–सा हिस्सा है। मुख्य रूप से भारत–पाक वार्ता के लिए भारत की शर्त है कि पाकिस्तान को भारतीय सैनिकों द्वारा ग्लेशियर के किनारे हासिल की गई बढ़त को स्वीकार करना चाहिए और किसी भी सेना की वापसी से पहले 110 किलोमीटर लंबी एक्चुअल ग्राउंड पोजिशन लाइन (एजीपीएल) को स्वीकार करना चाहिए। कारगिल अनुभव के बाद भारतीय सेना अब पाकिस्तान से मजबूत गारंटी चाहती है, जिसमें भारतीय सेना की स्थिति का सत्यापन, ग्लेशियर के साथ भारत के सैन्य बढ़त की पुष्टि करने वाले मानचित्रों पर हस्ताक्षर शामिल हैं। लेकिन पाकिस्तानी ऐसा करने को तैयार नहीं हैं। यदि भारत शांति के वादे के लिए अपने वीर सैनिकों द्वारा हासिल इस मुश्किल बढ़त को त्याग देता है, तो यह 1972 के विनाशकारी शिमला समझौते के समान होगा।

बड़ी नदियों के लिए जरूरी हैं छोटी नदियां

पंकज

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ओर से जारी आंकड़ों के विश्लेषण के बाद यह बात सामने आ रही है कि हमारी नदियां तेजी से सूख रही हैं। नदियों में जल भरने लायक बरसात होने में अभी कम से कम सौ दिन हैं। चिंता की बात यह है कि बर्फ से ढंके हिमालय से निकलने वाली नदियों– गंगा–यमुना के जल–विस्तार क्षेत्र में सूखा अधिक गहराता जा रहा है। सरकार भी चिंतित है कि गंगा बेसिन के 11 राज्यों के लगभग 2,86,000 गांवों में पानी की उपलब्धता धीरे–धीरे घट रही है। नदियों में घटता बहाव कोई अचानक नहीं आया है। यह साल–दर–साल घट रहा है। लेकिन नदी धार के कम होने का सारा दोष प्रकृति या जलवायु परिवर्तन पर डालना सही नहीं होगा। हमारे देश में 13 बड़े, 45 मध्यम और 55 लघु जलग्रहण क्षेत्र हैं। जलग्रहण क्षेत्र उस संपूर्ण इलाके को कहा जाता है, जहां से पानी बहकर नदियों में आता है। इसमें हिमखंड, सहायक नदियां, नाले आदि शामिल होते हैं। तीन नदियां–गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र हिमालय के हिमखंडों के पिघलने से निकलती हैं। इन सदानीरा नदियों को 'हिमालयी नदी' कहा जाता है। शेष पठारी नदी कहते हैं, जो मूलतः बरसात पर निर्भर होती हैं। आंकड़ों के आधार पर हम पानी के मामले में पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा समृद्ध हैं, लेकिन पूरे पानी का कोई 85 फीसदी बारिश के तीन महीनों में समुद्र में चला जाता है और नदियां सूखी रह जाती हैं। जब छोटी नदियां थीं, तो इस पानी के बड़े हिस्से को अपने आंचल में संभाल कर रख लेती थीं। नदियों के सामने खड़े हो रहे इस संकट ने मानवता के लिए भी चेतावनी का बिगुल बजा दिया है। जाहिर है कि बगैर जल के जीवन की कल्पना संभव नहीं है। हमारी नदियों के सामने मूलतः तीन तरह के संकट हैं–पानी की कमी, मिट्टी का आधिक्य और प्रदूषण। धरती के तापमान में हो रही बढ़ोतरी के चलते मौसम में बदलाव हो रहा है, जिसके चलते या तो बारिश अनियमित हो रही है या फिर बेहद कम। ये सभी परिस्थितियां नदियों के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर रही हैं। सिंचाई व अन्य कार्यों के लिए नदियों के अधिक दोहन, बांध आदि के कारण नदियों के प्राकृतिक स्वरूपों के साथ छेड़छाड़ के चलते भी उनमें पानी कम हो रहा है। यदि उत्तराखंड के गढ़वाल और कुमाऊं मंडलों की गैर हिमानी नदियों की दुर्गति पर गौर करें, तो समझ आ जाएगा कि आखिर गंगा बेसिन में जल संकट क्यों है? अल्मोड़ा के जागेश्वर में गंगा का प्रवाह कभी 500 लीटर प्रति सेकंड था, जो आज महज 18 लीटर रह गया है। गैर हिमानी नदियां प्रायः झरनों या भूमिगत जल स्रोतों से उपजती हैं और साल भर इनमें पानी रहता है। जो विशाल गंगा मैदानी इलाकों में आती है, उसमें 80 फीसदी जल गैर–हिमानी नदियों से आता है और मात्र 20 फीसदी जल हिमनद से मिलता है। अनुमान है कि आज भी देश में कोई 12 हजार ऐसी छोटी नदियां हैं, जो उपेक्षित हैं और उनके अस्तित्व पर खतरा है। 19वीं सदी तक बिहार (झारखंड सहित) में कोई छह हजार नदियां हिमालय से उतर कर आती थीं।

प्लास्टिक पर प्रतिबंध ही सबसे बड़ा समाधान

विनोद

एंड्रिया कोचिनी द्वारा 22 अप्रैल को, 1970 से हर साल की तरह, अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस मनाया गया, जो पर्यावरण की सुरक्षा के लिए समर्पित सबसे महत्वपूर्ण दिन है। इस अवसर पर, पृथ्वी दिवस संगठन ने आदर्श वाक्य ग्रह बनाम प्लास्टिक चुना है। आंदोलन की आकांक्षा भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्लास्टिक मुक्त भविष्य का निर्माण करने के लिए अब से 2040 के बीच प्लास्टिक उत्पादन को 60: तक कम करना है। इस वर्ष के पृथ्वी दिवस के दौरान, सभी पहल प्लास्टिक प्रदूषण से मानव स्वास्थ्य, जैव विविधता और पर्यावरण को होने वाले नुकसान और समस्या से निपटने के लिए आवश्यक उपायों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित थीं। उनमें से, पृथ्वी दिवस संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम में शामिल प्लास्टिक के खिलाफ भविष्य की संधि को अपनाने को तत्काल बढ़ावा देने की आवश्यकता का उल्लेख करता है और जिस पर 2022 से प्लास्टिक प्रदूषण पर अंतर सरकारी वार्ता समिति (आईएनसी) में राज्यों के साथ काम किया जा रहा है। भले ही 2024 के भीतर किसी संधि को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है या नहीं, यह बहुत संभावना है कि बातचीत के परिणामस्वरूप होने वाला समझौता पृथ्वी दिवस के प्रवर्तकों द्वारा प्रस्तावित महत्वाकांक्षी उद्देश्य पर खरा नहीं उतरेगा। 2050 में 590 मिलियन टन प्लास्टिक 2025 में थर्मोप्लास्टिक्स का वैश्विक उत्पादन 445.25 मिलियन टन तक पहुंचने की उम्मीद है और आने वाले दशकों में वार्षिक उत्पादन मात्रा में वृद्धि जारी रहेगी और 2050 में लगभग 590 मिलियन टन तक पहुंच जाएगी। यह 2025 के संबंध में 30: से अधिक की वृद्धि का प्रतिनिधित्व करेगा। ये आंकड़े वर्तमान रीसाइक्लिंग प्रणालियों की अपर्याप्तता के साथ–साथ स्पष्ट रूप से अधिक टिकाऊ विकल्पों, जैसे कि बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक या बायोप्लास्टिक्स, की अपर्याप्तता को दर्शाते हैं। बेशक, भविष्य की संधि से कई चुनौतियों – तकनीकी, आर्थिक और सामाजिक – को विनियमित और हल करने की उम्मीद नहीं की जा सकती है – जो प्लास्टिक के जीवन के सभी चरणों (कच्चे माल की निकासी, उत्पादों के डिजाइन, उनकी खपत, प्रबंधन) से जुड़ी हैं। और प्लास्टिक कचरे का सीमा पार स्थानांतरण)। हालाँकि, समस्या की गंभीरता और तात्कालिकता को देखते हुए, ऐसा लगता है कि एक (शायद एकमात्र?) समाधान उस दिशा को उलटने के लिए अभी भी संभव है जो उपरोक्त आंकड़े हमें ले जा रहे हैं, राज्यों की पार्टियों पर प्रतिबंध की नई संधि में शामिल करना होगा। नए अनावश्यक प्लास्टिक का उत्पादन। हालाँकि, प्लास्टिक प्रदूषण वार्ता (पांच नियोजित वार्ताओं में से) पर अंतर सरकारी वार्ता समिति के तीसरे दौर के बाद, ऐसा लग रहा है कि राज्य प्रतिनिधि वास्तव में इस संभावना पर विचार नहीं कर रहे हैं, यहां तक कि मध्यम अवधि में भी नहीं। नई बातचीत लेखन के समय, हमारे पास संधि का दूसरा मसौदा है जो ओटावा, कनाडा में 21 से 30 अप्रैल तक होने वाले चौथे सत्र की वार्ता के लिए संदर्भ दस्तावेज होगा। दस्तावेज में नवंबर 2023 में नैरोबी (केन्या) में हुई तीसरे दौर की वार्ता के दौरान राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के विभिन्न पद शामिल हैं। इस दूसरे मसौदे में विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जो कभी–कभी एकदम विपरीत भी होती है। एक ओर, यह 2040 तक भविष्य के प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने, उत्तरोत्तर कम करने और समाप्त करने के प्रस्ताव को बनाए रखता है, इस प्रकार समस्या को खत्म करने में सबसे अधिक रुचि रखने वाले देशों की स्थिति को दर्शाता है, जैसे कि छोटे द्वीप राज्यों के गठबंधन में एकत्रित लोग। दूसरी ओर, उन राज्यों के साथ समझौते में जो प्लास्टिक कचरे के तर्कसंगत प्रबंधन पर अधिक ध्यान केंद्रित करने और प्लास्टिक के डिजाइन में सुधार करके इसे और अधिक पुनर्चक्रण योग्य बनाने का प्रस्ताव करते हैं (जैसे कि खाड़ी के अरब राज्यों के लिए सहयोग परिषद), मसौदे में भविष्य की संधि के आवेदन के दायरे से प्लास्टिक (अनिवार्य रूप से, कच्चे तेल और गैस) के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल के निष्कर्षण और परिवर्तन चरणों को बाहर करने का सुझाव दिया गया है। इसी तरह, उदाहरण के लिए, रूस जैसे देशों की स्थिति के अनुरूप, मसौदे में वर्जिन पॉलिमर के उत्पादन से संबंधित चरणों को छोड़ने का प्रस्ताव है, क्योंकि वे उत्पन्न नहीं करते हैं – सख्ती से कहें तो – प्लास्टिक प्रदूषण और निकाले गए कच्चे माल अभी भी हो सकते हैं अन्य गैर– प्लास्टिक सामग्रियों के उत्पादन के लिए नियत। हालाँकि, कच्चे माल, जैसे कि हाइड्रोकार्बन, और मध्यवर्ती उत्पादों, जैसे वर्जिन प्लास्टिक पॉलिमर, को इसके अनुप्रयोग से बाहर करना, क्योंकि वे तकनीकी रूप से तैयार प्लास्टिक उत्पाद नहीं हैं, समझौते के मुख्य उद्देश्य को गंभीरता से कमजोर कर देंगेरू प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना और एक कुशल परिपत्र अर्थव्यवस्था बनाना। प्लास्टिक के लिए भी. चिकित्सा, वैज्ञानिक उपयोग यदि वार्ताकारों की 2040 तक प्लास्टिक उत्पादन को 60: तक कम करने की पृथ्वी दिवस प्रवर्तकों की तरह ही आकांक्षा होती, तो जिस संधि पर वे बातचीत कर रहे हैं वह कानूनी रूप से अधिक साहसी होनी चाहिए। समझौते में बाध्य कारी कानूनी नियम लागू होने चाहिए, जो अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण कानून (जैसे उचित परिश्रम, सावधानी और रोकथाम) के बुनियादी सिद्धांतों पर ठोस कार्रवाई करके, वर्जिन प्लास्टिक के उत्पादन पर एक प्रगतिशील, लेकिन अब अपरिहार्य प्रतिबंध लगाते हैं और छूट देते हैं। जाहिर है, प्लास्टिक चिकित्सा क्षेत्र और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए आवश्यक है।

मतगणना कर्मचारियों के अलावा मतगणना स्थल पर किसी को प्रवेश न दिया जाये - प्रेक्षक

मतगणना कर्मचारियों के अलावा मतगणना स्थल पर किसी को प्रवेश न दिया जाये – डीएम

'ब्यूरो रिपोर्ट– जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई–' प्रेक्षक (सामान्य) टी०वाई० भट्ट, (आई०ए०एस०) 32–मिश्रिख लोकसभा (अ०जा०) निर्वाचन क्षेत्र ने जिला धिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी मंगला प्रसाद सिंह, पुलिस अधीक्षक केसी गोस्वामी तथा मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी के साथ आज स्थानीय मंडी स्थल का सघन निरीक्षण किया तथा निरीक्षण के दौरान ईवीएम मशीनों के रख–रखाव, अभिकर्ताओं व कर्मचारियों के आने–जाने आदि की व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में जिला धिकारी ने जानकारी प्राप्त की। मतगणना के संबंध में जिलाधिकारी ने बताया कि मंडी के चारों ओर वैरीकेटिंग की गयी है और किसी भी बाहरी व्यक्ति के आने–जाने पर प्रतिबन्ध लगाया गया है। इस अवसर पर प्रेक्षक ने जिलाधिकारी से कहा कि मतगणना के दौरान पूरी सावधानी बरती जाये और मतगणना कर्मचारियों के अलावा मतगणना स्थल पर किसी को प्रवेश न दिया जाये। इसके उपरान्त प्रेक्षक ने जिलाधिकारी के साथ पोलिंग पार्टी रवाना स्थल आईटीआई कालेज का निरीक्षण किया तथा जिलाधिकारी ने पोलिंग पार्टी रवानी के सम्बन्ध में पूरी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, नगर मजिस्ट्रेट सहित अन्य संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

मा0 जनपद न्यायाधीश ने राजकीय सम्प्रेक्षण गृह का किया निरीक्षण'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' बुधवार को मा० जनपद न्यायाधीश राजकुमार सिंह ने उपजिलाधिकारी सदर एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के साथ राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संस्था में निरूद्ध किशोरों द्वारा निर्मित श्री राम मन्दिर मॉडल का प्रर्दशन किया गया। मा० जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा पुष्प एवं दीप प्रज्जवलित किया गया तथा निर्मित मन्दिर मॉडल के प्रतिभागी किशोरों को उपहार देकर उनका उत्साह वर्धन किया गया। इस मौके पर संस्था प्रभारी अधीक्षक सर्वेश कुमार श्रीवास्तव, अध्यापक देवेश मोहन सिंह व रवि कुमार तथा संस्था में तैनात अन्य कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

हरदोई से सपा की उषा वर्मा सहित छः एवं मिश्रिख से भाजपा उम्मीदवार अशोक रावत सहित पांच उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज रिटर्निंग आफिसर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 31–हरदोई (अ०जा०) एवं रिटर्निंग आफिसर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 32–मिश्रिख (अ०जा०) द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 की नामांकन प्रक्रिया का पंचम दिवस सम्पन्न हुआ। आज पूर्वान्ह 11.00 बजे से अपरान्ह 03.00 बजे तक नामांकन प्रक्रिया लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 31–हरदोई (अ०जा०) न्यायालय कलेक्टरधजिला मजिस्ट्रेट, हरदोई एवं लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 32–मिश्रिख (अ०जा०) न्यायालय अपर कलेक्टरध्अपर जिला मजिस्ट्रेट, हरदोई में सम्पन्न हुई। जिसमें लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 31–हरदोई में श्रीमती ऊषा वर्मा समाजवादी पार्टी, श्री शिव कुमार निर्दलीय, श्री अवधेश कुमार निर्दलीय, श्री श्याम कुमार पिपल्स पार्टी आफ इंडिया, श्री भीमराव अम्बेडकर बहुजन पार्टी, श्री इन्द्रपाल पासी जस्टिस पार्टी कुल 06 नामांकन दाखिल किये गये तथा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 32 मिश्रिख में संगीता राजवंशी समाजवादी पार्टी, श्री मनोज कुमार राजवंशी निर्दलीय, अशोक कुमार रावत भारतीय जनता पार्टी, सावित्री देवी राष्ट्रीय जनशक्ति समाजवादी पार्टी, श्री बीआर अहिरवार बहुजन समाजवादी पार्टी कुल 05 लोगों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया गया। उनके द्वारा प्रस्तुत किये गये शपथ–पत्र भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिये गये है तथा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 31–हरदोई (अ०जा०) एवं 32– मिश्रिख (अ०जा०) के नामांकन कक्ष के नोटिस बोर्ड पर चस्पा है। साथ ही आज लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 31–हरदोई (अ०जा०) में श्री रामसागर द्वारा नामांकन कक्ष से 01 सेट नामांकन पत्र प्राप्त किया गया तथा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 32 मिश्रिख (अ०जा०) में श्री रमेश चन्द्र व रामभजन द्वारा नामांकन कक्ष से नामांकन पत्र प्राप्त किया गया। पंचम दिवस का नामांकन शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ।

समाज सेवी राजवर्धन सिंह राजू ने असहाय बेटे की मदद कर, कराया मृत पिता का अंतिम संस्कार

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली –(हरदोई)' वक्त इंसान पर ऐसा भी कभी आता है, राह में छोड़ कर साया भी चला जाता है एक फिल्मी गीत की ये लाइनें उस बदनसीब बेटे पर सटीक बैठी जब उसके पिता की मृत्यु हो गई और अंतिम संस्कार के लिए बेटे के पास फूटी कौड़ी भी नहीं थी।बीते दिन मंगलवार को बिहार के ग्राम गम्हरिया, पोस्ट बुधौल, थाना कसामा जिला औरंगाबाद निवासी पुनीत चौरसिया की एक हादसे में मौत हो गई। हरदोई पोस्टमार्टम हाउस में, उसके बेटे मनीष चौरसिया के पास अपने पिता का अंतिम संस्कार करने के लिए फूटी कौड़ी भी पास में नहीं थी ।इस बेबसी में वह फूट–फूट कर रोने लगा तभी वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने उसे समाजसेवी राजवर्धन सिंह श्राजूश का नंबर दिया और कहा कि वह अपनी संस्था आत्मसंतुष्टि द्वारा असहाय लोगों की सहायता करते हैं तथा लावारिस लाशों का भी अंतिम संस्कार करवाने का कार्य करते हैं। मनीष ने राजवर्धन सिंह को अपनी करुण – कथा सुनाई और सहायता के लिए फरियाद की। राजवर्धन सिंह श्राजूश ने तुरंत उसकी मदद को हाथ बढ़ाया और उसके पिता का अंतिम संस्कार विधि विधान पूर्वक संपन्न करा दिया।

13 मई को मतदान कर अपने लोकतांत्रिक दायित्व का निर्वहन करें – एम0 पी0 सिंह

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत बुधवार को रसखान प्रेक्षागृह में जनपद के उद्यमियों व व्यापारियों के साथ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने उद्यमियों व व्यापारियों को मतदान के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि 13 मई को स्वयं मतदान करें और अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। अपने लोकतान्त्रिक दायित्व का निर्वहन करें। पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी ने कहा कि 13 मई मतदान दिवस को आलस्य को त्याग कर निर्भीक होकर मतदान करें। मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी ने कहा कि इस चुनाव में नारी शक्ति, युवा एवं दिव्यांगों को समर्पित बूथ बनाये गये हैं। इसके साथ ही सभी बूथों को आदर्श बूथ बनाया गया है। यहाँ सभी प्रकार की आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गयी हैं। उपनिदेशक कृषि डॉ नंदकिशोर ने कहा कि 13 मई को शत –प्रतिशत मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत बनायें। जिलाधिकारी ने सभी उद्यमी व व्यापारी प्रतिभागियों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलायी तथा रैली को रवाना किया। इस अवसर उपायुक्त उद्योग दुर्गेश कुमार, उपायुक्त जीएसटी, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार आदि उपस्थित रहे।

मूलभूत सुविधाओं से कोसों दूर अयोध्या बस स्टेशन

अयोध्या। अयोध्या बस स्टेशन की दशा काफी दयनीय हो चुकी है। अगर इस बस स्टेशन से आप किसी बस से अपने गन्तव्य स्थान को जा रहे हैं तो सही सलामत पहुंच जाये तो आप बहुत ही भाग्यशाली हैं।क्योंकि कब बीच रास्ते में आपकी बस खड़ी हो जाये कुछ नहीं कहा जा सकता।अगर देखा जाए तो पेयजल समस्या,टूटी हुई नालियां, जर्जर अवस्था में तब्दील शौचालय, जर्जर अवस्था में तब्दील रोडवेज बस अयोध्या कैंट रोडवेज बस स्टेशन की प्रमुख पहचान बन चुकी है।जिसके चलते यहां से संचालित बसो के चालक, परिचालक इस गंभीर समस्या के चलते परेशान तो होते ही हैं इनके अलावा इधर से गुजरने वाले बस यात्री भी परेशान होते हुए दिखाई दे रहे थे। बताते चलें कि इस डिपो से कुल 97 निगम ने संचालित रोडवेज की बसे हैं वही निगम द्वारा कुल 27 अधिकृत की गई है। इस तरह कुल 124 बसो का संचालन हो रहा है।अगर देखा जाए तो लोकसभा चुनाव के चलते तीन चरणों में फरवरी, मार्च व अप्रैल में 31 बसों चुनाव में भेज दिया गया है। जिसके चलते अकेले रोडवेज निगम की 66 बसों का संचालन इस समय हो रहा है।सूत्र के मुताबिक 66 बसों में महज एक दर्जन बस ही ठीक ठाक है बाकी शेष बसों को क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज व सहायक प्रबंधक रोडवेज वाह वाही लूटने के लिए जर्जर अवस्था में ही चलवाकर बस यात्रियों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। देखा जाए तो प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अयोध्या के चहुंमुखी विकास मे केन्द्र व राज्य सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। अयोध्या में श्रद्धालुओं व पर्यटकों को बढ़ावा देने के महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट अयोध्या, अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन, अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन सहित अन्य प्रमुख स्थानों के चहुंमुखी विकास मे मोदी योगी सरकार जुटी हुई है। परंतु अयोध्या कैंट रोडवेज बस स्टेशन चहुंमुखी विकास की जगह पीछे ही जा रहा है। इस बस स्टेशन की दशा इतनी बुरी नजर आयी कि जहां एक ओर न तो यहां पर बस चालकों व परिचालकों के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है न ही यहां पर आने जाने वाले बस यात्रियों के सुविधा। इस परिसर में लगा हुआ सरकारी हैंडपंप भी टूटा हुआ है। चालक व परिचालक आराम गृह भी ध्वस्त हो गया है।बस की दशा इतनी बुरी है वही जर्जर बसे आती है फिर विभाग के अधिकारियों द्वारा पुनः उसे भेजा जा रहा है। जिससे यह लगता है कि रोडवेज विभाग में तैनात अधिकारियों को बस चालक, परिचालक व बस यात्रियों के जीवन से कोई लेना देना नहीं है।फिलहाल इस समय अयोध्या बस स्टेशन की हालत बद से बद्तर है। जिस पर इससे संबंधित अधिकारियों का ध्यान नहीं जा रहा है।

शास्त्री महाविद्यालय ने किसान डिग्री कालेज व एमएलके से एमओयू पर किया हस्ताक्षर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज ने शैक्षिक उन्नयन एवं गुणवत्ता सुधार के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा निर्देशों के अंतर्गत बुधवार को शैक्षिक आदान–प्रदान के लिए पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाओं के प्रयोग को लेकर आपसी सहमत व्यक्त की गई है। इसी क्रम में तराई का ऑक्सफोर्ड के नाम से प्रसिद्ध एमएलके महाविद्यालय बलरामपुर से भी एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। एमएलके

किसान डिग्री कॉलेज बहराइच व एमएलके बलरामपुर से शैक्षिक सहयोग के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आर के पाण्डेय ने बताया कि किसान डिग्री कालेज बहराइच से हिंदी, समाजशास्त्र, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, वनस्पति विज्ञान से उच्च शिक्षा एवं संबंधित ज्ञान अनुशासन के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। सेमिनार वर्कशॉप सिंपोजियम कक्षा अध्यापन शिक्षकों विद्यार्थियों का आदान–प्रदान महाविद्यालय से हिंदी, बीबीए, बीसीए, समाजशास्त्र, वनस्पति विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र विषय के विभागों द्वारा प्रशासन एवं प्रबंधन की सहमति से अध्ययन– अध्यापन के कई क्षेत्रों में एक दूसरे के अनुभव, ज्ञान और संसाधनों का उपयोग किया जा सकेगा। शिक्षकों और विद्यार्थियों का आदान– प्रदान भी इसी समझौते से साकार होगा।

नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज इस अभियान को और विस्तार देने के लिए विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय संस्थानों से भी महाविद्यालय एमओयू हस्ताक्षर करेगा। जिससे विद्यार्थियों को अनुभव, ज्ञान, संसाधन और अवसर की कमी न हो सके। इस मौके पर किसान डिग्री कॉलेज बहराइच के प्राचार्य प्रोफेसर विनय सक्सेना , आईक्यूएसी प्रभारी प्रो. सूर्यभान रावत,शास्त्री कालेज के शोध निदेशक डा. शैलेन्द्र नाथ मिश्र, हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ नीरज पांडेय, मुख्य नियंता डॉ किसुन वीर व उपस्थित प्राध्यापकों प्रसन्नता व्यक्त की है । एमएलके महाविद्यालय बलरामपुर के प्रबंध– समिति के सचिव कर्नल आर मोहंता, संयुक्त सचिव श्री वीके सिंह, प्राचार्य प्रो जे पी पांडेय, मुख्य नियंता प्रो.पी के सिंह , अध्यक्ष भौतिक विज्ञान प्रो अरविंद द्विवेदी, विभागाध्यक्ष बॉटनी डॉ राजीव रंजन, अध्यक्ष हिंदी विभाग प्रो. प्रकाश चंद्र गिरि आदि विभागाध्यक्षों और प्राध्यापकों ने खुशी व्यक्त करते हुए इसे उच्च शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन के रूप में स्वीकार कर कहा है कि देवीपाटन मंडल में उच्च शिक्षा के अध्ययन अध्यापन में इससे रोजगार एवं कौशल विकास के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल हो सकेगी।

गर्मी की छुट्टियों से पहले एयरटेल ने लेह और लद्दाख में नेटवर्क कवरेज को किया और भी बेहतर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत के अग्रणी टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स में से एक भारती एयरटेल (ष्एयरटेलष्) ने आज लेह और लद्दाख के सुरम्य क्षेत्रों में अपने नेटवर्क के विस्तार की घोषणा की। यह विकास आगामी यात्रा सीजन के लिए बिल्कुल सही समय पर हुआ है, जो यात्रियों को पूरे क्षेत्र में असीमित 5जी सेवा का आनंद लेने के लिए प्रेरित करेगा। अब एयरटेल का नेटवर्क लद्दाख के 40 से ज्यादा इलाकों में उपलब्ध है। इससे वहां के रहने वाले लोग और यहां आने वाले यात्री अपनी पूरी यात्रा के दौरान अच्छी कनेक्टिविटी का लाभ उठा सकेंगे। यह भारत के मनोरम क्षेत्र लेह और लद्दाख में बिना किसी रुकावट के कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की एयरटेल की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसका आनंद सभी यात्री लेते हैं। इस विस्तार के बारे में चर्चा करते हुए एयरटेल जम्मू और कश्मीर के सीओओ आदर्श वर्मा ने कहा, हमें लेह और लद्दाख क्षेत्र में ग्राहकों के लिए अपने नेटवर्क अनुभव को बढ़ाकर खुशी हो रही है। हमें पूरा विश्वास है कि इस यात्रा सीजन में, हमारे ग्राहक हर जगह उपलब्ध हाई–स्पीड डेटा तक पहुंच की शक्ति का आनंद लेंगे जो इन प्रतिष्ठित स्थानों में नए अवसरों और अनुभवों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करेगा। जांस्कर घाटी में अपनी नेटवर्क को मजबूत करने के बाद, एयरटेल ने लेह के चुनिंदा इलाकों में अपनी अत्याधुनिक एयरटेल 5जी सेवा शुरू की, जो इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी मानकों के लिए एक नया पैमाना स्थापित कर रही है। लेह के प्रमुख पर्यटन स्थल – दुरबुक, तांगत्से, पैंगोंग झील, हॉल ऑफ फेम, मैग्नेटिक हिल, संगम (सिंधु और जांस्कर नदी), दिसकित और तुरतुक – अब एयरटेल के अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस हो गए हैं। इससे, यहां आने वाले पर्यटकों को लुभावने नजरों के बीच तेज इंटरनेट की सुविधा मिलेगी। चांग–ला दर्रा, गुरुद्वारा पत्थर साहिब, लामायुरु मठ, मून लैंड, अलची और लिकिर मठ, खारदुंग–ला दर्रा, हुंडर आदि जगहों पर घूमने वाले यात्री सोशल मीडिया पर भी जुड़े रहने का आनंद ले सकेंगे। 5जी की शुरुआत के साथ, यात्री अब प्रसिद्ध चादर ट्रेक पर जाते समय या केवल इस इलाके की प्राकृतिक सुंदरता को निहारते हुए भी अनलिमिटेड 5जी डेटा का आनंद उठा सकते हैं।

13 मई को मतदान कर अपने लोकतान्त्रिक दायित्व का निर्वहन करें - मंगला प्रसाद सिंह

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत आज रसखान प्रेक्षागृह में जनपद के उद्यमियों व व्यापारियों के साथ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने उद्यमियों व व्यापारियों को मतदान के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि 13 मई को स्वयं मतदान करें और अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। अपने लोकतान्त्रिक दायित्व का निर्वहन करें। पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी ने कहा कि 13 मई मतदान दिवस को आलस्य बिल्कुल न करें। निर्भीक होकर मतदान करें। मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी ने कहा कि इस चुनाव में नारी शक्ति, युवा एवं दिव्यांगों को समर्पित बूथ बनाये गए गए हैं।

इसके साथ ही सभी बूथों को आदर्श बूथ बनाया गया है। यहाँ सभी प्रकार की आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गयी हैं। उपनिदेशक कृषि डॉ नंदकिशोर ने कहा कि 13 मई को शत प्रतिशत मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत बनायें। जिलाधिकारी ने सभी उद्यमी व व्यापारी प्रतिभागियों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलायी तथा रैली को रवाना किया। इस अवसर उपायुक्त उद्योग दुर्गेश कुमार, उपायुक्त जीएसटी, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार आदि उपस्थित रहे।

डाक्टर एम एच सिद्दीकी ने बताया डिहाईड्रेशन एवं निर्जलीकरण का नेचुरल इलाज क्या है इसके लक्षण और कैसे करें इससे बचाव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। फरमान नेचुरोपैथी क्लीनिक एवं फिजियोथैरेपी सेंटर के डायरेक्टर डॉ. एम एच सिद्दीकी ने बताया कि हमारे शरीर में 70 फीसदी पानी है ऑक्सीजन के बाद हमें सबसे ज्यादा जिस चीज की जरूरत है वह पानी है शरीर में पानी की कमी होना कई तरह से स्वस्थ को जोखिम पैदा कर सकता है इंसान बिना खाए कुछ दिनों तक जीवित रह सकता है लेकिन पानी के बिना नहीं शरीर में पानी की कमी कई शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकती है जिसमें डिहाईड्रेशन या निर्जलीकरण सबसे घातक माना जाता है यह गर्मियों में होने वाली सबसे आम परेशानी है जो शरीर में पानी की कमी का संकेत देती है या परेशानी किसी भी उम्र में हो सकती है यदि इसका इलाज सही वक्त पर नहीं किया जाए तो या जानलेवा भी साबित हो सकती है।

डिहाइड्रेशन के कारण

1)अधिक पसीना निकलने की वजह से

2) ज्यादा व्यायाम करने से

3) बुखार

4)उल्टी

5)दस्त

6) बहुत अधिक पेशाब आना

लक्षण

1) अधिक प्यास लगना

2) पेशाब कम आना

3)गहरे पीले रंग का मूत्र आना

4) सुखी त्वचा

5)सर दर्द होना

6)मांसपेशियों में ऐंठन

डिहाइड्रेशन से बचाव

1)सोडियम की आपूर्ति के लिए नारियल पानी का इस्तेमाल करें नारियल पानी सोडियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत है डिहाइड्रेशन की अवस्था में शरीर में इन दोनों की मात्रा कम हो जाती है।

2)पेट को ठंडा रखें

पेट को ठंडा रखने के लिए दही एक अच्छा उपाय है डिहाइड्रेशन में दही का सेवन बेहद लाभकारी होता है यह आसानी से पच जाता है

3) लगातार पानी पीते रहे छाछ भी पी सकते हैं शरीर में उर्जा बनाए रखने के लिए केले का इस्तेमाल करें

4) बेल के शरबत का इस्तेमाल करें।

इंडियन न्यूक्लियर सोसाइटी, मुंबई के वैज्ञानिकों का लखनऊ के विद्यार्थियों के लिए विशेष जन जागरूकता कार्यक्रम

मृत्युंजय प्रताप सिंह

देश में परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण प्रयोग को बढ़ावा देने एवं इसके प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से इंडियन न्यूक्लियर सोसाइटी (आई एन एस), मुंबई द्वारा, लखनऊ में पहली बार विद्यार्थियों के लिए देश के वरिष्ठ एवं विशिष्ट परमाणु वैज्ञानिकों के साथ संवाद स्थापित करने हेतु दिनांक 25–26 अप्रैल, 2024 को इन्दिरा नगर एवं विकास नगर स्थित रानी लक्ष्मी बाई मेमोरियल स्कूल, पायनियर मोंटेसरी स्कूल में एवं सी डी आर आई में एक विशेष जन–जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर आई एन एस, मुंबई के अध्यक्ष एवं भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बी ए आर सी), मुंबई से सेवानिवृत देश के प्रसिद्ध परमाणु वैज्ञानिक डॉ बी एन जगताप विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संबोधित करेंगे। इसके साथ ही वो भारत में न्यूक्लियर साइन्स एवं टेक्नालजी के क्षेत्र में हो रही उत्तरोत्तर वृद्धि के बारे में भी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अवगत करवाएँगे।

पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा पुस्तक का विमोचन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रशान्त कुमार, पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा पुलिस मुख्यालय, सिग्नेचर बिल्डिंग, गोमतीनगर विस्तार, लखनऊ में सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक सुरेन्द्र सिंह लौर द्वारा लिखित मेरी पुलिस यात्रा पुस्तक का विमोचन किया गया। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जनपद के ग्राम गौरोला निवासी, सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक सुरेन्द्र सिंह लौर वर्ष 1966 में बतौर उपनिरीक्षक के पद पर अपनी सेवाओं की शुरूआत कर 39 वर्षो तक उ0प्र0 पुलिस सेवा में रहते हुये वर्ष 2004 में अधिवर्षता आयु पूर्ण कर पुलिस उपाधीक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुये। इनकी पहली तैनाती जनपद मेरठ के थाना दौराला में रही तथा पुलिस सेवा के दौरान जनपद देहरादून, मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, सीबीसीआईडी आगरा, जनपद इटावा, फतेहगढ़, कानपुरनगर, कानपुर देहात, सीबीसीआईडी मेरठ, जनपद सीतापुर, रायबरेली, लखनऊ, पीटीसी मुरादाबाद, जनपद रामपुर, बरेली, पीलीभीत, भ्रष्टाचार निवारण संगठन लखनऊ, मेरठ, जेड०ओ० गाजिया बाद के विभिन्न थानों ६ इकाईयों में नियुक्त रहकर सेवायें दी। श्री लौर द्वारा अपनी पुस्तक मेरी पुलिस यात्रा में अपने सेवाकाल के अनुभवों का उल्लेख किया गया है।

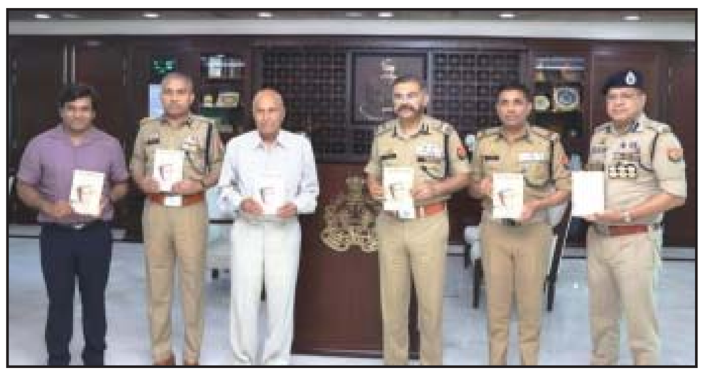

श्री लौर उत्कृष्ट कार्यों के लिये हमेशा पुलिस विभाग में याद किये जाते है, जिन्हें राष्ट्रपति पदक से भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक स्थापना, अपर पुलिस महानिदेशक /पुलिस महानिदेशक के जीएसओ एवं अपर पुलिस महानिदेशक तकनीकी सेवाएं आदि उपस्थित रहें।

पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 की पुलिस महानिरीक्षक एन0एस0जी0 से शिष्टाचार भेंट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रशान्त कुमार पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० से पुलिस मुख्यालय लखनऊ में पुलिस महानिरीक्षक एन०एस०जी० दीपक कुमार केडिया नई दिल्ली द्वारा शिष्टाचार भेंट कर शुभकामनाएं दी गयी तथा प्रतीक चिन्ह भेंट किये गये।

भेंट के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस और एन०एस०जी० के मध्य बेहतर समन्वय, सामरिक महत्व एवं सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गयी।

डायरिया से पीड़ित रोगियों की संख्या में बढ़ोतरी

–इलाज के नाम पर झोलाछाप चिकित्सक कर रहे वसूली।
–झोलाछाप चिकित्सकों पर जल्द ही लगेगा अंकुश – सीएमओ

अयोध्या। इस समय लू व तेज धूप की चपेट में आकर लोग डायरिया जैसे गंभीर बीमारी से पीड़ित होकर जिला चिकित्सालय व निजी चिकित्सालयों में भर्ती हो रहे हैं।इस मौके का फायदा शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में खुले निजी चिकित्सालयों के चिकित्सक व कर्मी यहां पर इलाज कराने आने वाले डायरिया से पीड़ित मरीजों व उनके परिजनों से उठा रहे है।जिस पर चिकित्सा विभाग के अधिकारियों का ध्यान नहीं जा रहा है।इस समय जिला चिकित्सालय में तैनात कर्मियों की माने तो प्रतिदिन एक दर्जन से अधिक डायरिया से पीड़ित रोगी जिला चिकित्सालय में भर्ती हो रहे हैं।जिसमें वयस्कों की तुलना में छोटे छोटे बच्चे डायरिया जैसे गंभीर बीमारी से पीड़ित होकर यहां पर भर्ती हो रहे हैं।बताते चलें कि जिला चिकित्सालय में तैनात कर्मियों के मुताबिक एक अप्रैल से अभी तक ढाई सौ से अधिक डायरिया से पीड़ित रोगियों का इलाज यहां पर हो चुका है।जिसमें बच्चों की संख्या अधिक बताई जा रही है।यही हाल जिले में संचालित निजी चिकित्सालयों का भी है।जहां पर उल्टी दस्त व डायरिया रोग से पीड़ित रोगियों का इलाज चल रहा है।इस समय सबसे अधिक डायरिया से पीड़ित बच्चे यहां पर भर्ती हो रहे हैं।इस समय सबसे अधिक फायदा शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक फैले निजी चिकित्सालयों का हो रहा है।इन चिकित्सालयों में आने वाले डायरिया से पीड़ित रोगियों से इलाज के नाम पर भरपूर वसूली कर रहे हैं। अगर देखा जाए तो ग्रामीण क्षेत्रों में भारी संख्या झोलाछाप डॉक्टर भी डायरिया से पीड़ित रोगियों से पैसा वसूलने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं।वे इलाज के नाम पर मरीजों के परिजनों से भारी भरकम पैसा वसूल रहे हैं।ये चिकित्सक ग्लूकोज व दवा के नाम इनके यहां इलाज कराने आने वाले डायरिया रोग से पीड़ित रोगियों अच्छा खासा पैसा वसूल रहे हैं।मजबूरी में इनके यहां इलाज कराने आने वाले मरीज व उनके परिजन उन झोलाछाप

चिकित्सकों के अनुसार पैसा भी दे देते हैं। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय जैन ने कहा कि जिले में सक्रिय झोलाछाप चिकित्सकों पर जल्द ही अंकुश लगाया जायेगा।उन्होंने बताया कि अगर कोई भी चिकित्सक अवैध रुप से चिकित्सा कार्य करते हुए पाया गया तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जायेगी।

समाजिक विकास में मातृ शक्ति की भूमिका विषय पर आयोजित किया व्याख्यान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कुँ० आर०सी० महिला डिग्री कॉलेज, मैनपुरी में मेजर बीरेन्द्र सिंह तोमर के व्याख्यान का आयोजन

किया गया। जिनके व्याख्यान का मुख्य बिन्दु सामाजिक विकास में मातृ शक्ति की भूमिका था। इन्होंने अपने व्याख्यान में कहां कि मातृ शक्ति के बिना जीवन का कोई मोल नहीं है। मातृ शक्ति ही विद्यालय, घर, परिवार, कर्यालय आदि सभी जगहों का आधार है जहाँ नारी की पूजा होती है वहीं देवतागण निवास करते है। इन्होंने अपने व्याख्यान में शिक्षा, संस्कार और संयुक्त परिवार पर मोबाइल के बढ़ते दुष्प्रभावों को भी समाहित किया। इन्होंने बताया वर्तमान समय में व्यक्ति मोबाइल में इतना अधिक व्यस्त है कि उसके पास स्वयं और अपने परिवार के लिए भी समय नहीं है जिसके फलस्वरूप आज संयुक्त परिवार एकल परिवार में विघटित हो गए है जिसका व्यक्ति के संस्कारों और शिक्षा पर भी नकारात्मक प्रभाव दिखाई देता है। छात्राओं को प्रेरित करते हुए इन्होंने कहा वर्तमान समय में कई विकल्प है विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने के वहां तक पहुंचने में आपको कई सही और गलत दिशाएँ प्राप्त होगी। यह आपको स्वयं निर्धारित करना है किस दिशा की ओर आपको आगे बढ़ना है। अन्त में महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ० स्नेहलता द्वारा ष्वर्तमान समय में व्यक्ति टच में होते हुए भी टच में नहीं हैष् को कहते हुए अतिथि महोदय को धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया गया। आज के इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो० शेफाली, प्रो० मधु गुप्ता, भाग्य लक्ष्मी, रंजना, रेखा, प्रतिभा जायसवाल, विनीता अवस्थी, अरूणा, निधि, रजनी पचौरी आदि शिक्षिकायें और छात्राऐं उपस्थित रहे।

बाजारों में प्याऊ लगाएंगे – व्यापारी नेता अमरनाथ मिश्रा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। व्यापारी नेता अमरनाथ मिश्रा ने बताया कि जिलाधिकारी लखनऊ एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी से हुई वार्ता के संदर्भ में जैसा कि आशंका है कि हीट वेव लखनऊ को प्रभावित कर सकती है तो लखनऊ व्यापार मंडल के समस्त पदाधिकारियों ने यह निर्णय लिया है के बाजारों में वह प्याऊ लगाएंगे और कोई भी व्यक्ति जिसे प्यास सता रही हो या उसे पानी न मिल रहा हो और आवश्यकता हो तो वह हमारी किसी भी दुकान पर जाकर पानी माँग सकता है दुकानदार उसे तत्काल जल उपलब्ध कराएगा। अगर ज्यादा प्रभावित है तो मदद माँग सकता है व्यापारी समाज और लखनऊ व्यापार मंडल के समस्त सदस्य दुकानदार उस व्यक्ति की मदद करेंगे। सर्वसम्मति से लखनऊ के सभी पदाधिकारियों ने यह निर्णय लिया है बाजारों में घढे में पानी रखने की व्यवस्था एवं ठंडे पानी की मशीन लगाना भी जारी है लखनऊ व्यापार मंडल तमाम तरीके पम्पलेट छपवाकर भी जागरूकता अभियान चला रहा है।

कायस्थ समाज स्वाभिमान सभा उत्तर प्रदेश द्वारा गोष्ठी का आयोजित

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। सोमवार, कायस्थ समाज स्वाभिमान सभा द्वारा आयोजित गोष्ठीध्बैठक में सैकडो कार्यकर्ताओं के साथ विचारणीय मुख्य बिन्दुओं में कायस्थ समाज की राजनीतिक एवं आर्थिक विकास के लिए संसाधन जुटाने, कायस्थ समाज के समुचित विकास के लिए राजनीतिक आधार तैयार करने आदि मुद्दो पर विचार किया गया, कायस्थ समाज स्वाभिमान सभा की सभी इकाईयाँ राष्ट्रीय प्रदेश जिला नगर सहित युवा, महिला को पुनः संगठन मजबूत करने की जिम्मेदारी सौपी गयी, आगामी दिसम्बर माह में आयाति होने वाले सामूहिक विवाह में 51 जोडो की शादी कराने का निर्णय लिया गया इसके साथ ही लोक सभा चुनाव में लखनऊ लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी मा०रक्षामन्त्री राजनाथ सिंह जी को समर्थन करने तथा भारतीय जनता पाटी से ही लखनऊ पूर्वी विधानसभा से प्रत्याशी ओम प्रकाश श्रीवास्तव के समर्थन करने तथा सभी प्रकार से सहयोग करने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यो ने उक्त प्रस्ताव का सर्वसम्मति से समर्थन किया। प्रेस क्लब लखनऊ में आयोजित गोष्ठी/बैठक में मुख्य अतिथि श्री बिहारी स्वरूप वरिष्ठ आई०ए०एस० (अवकाश प्राप्त), ने कहा कायस्थ समाज ने देश को अनेको महापुरूष, राजनेता, वैज्ञानिक, तथा प्रशासक दिये है जिनके योगदान का भुलाया नहीं जा सकता, संरक्षक श्री राकेश

कृष्ण विशेष सचिव उ० प्र०शासन, ने कहा कि किसी संगठन के लिए कार्यालय कोष और कार्यक्रम की आवश्यकता होती है राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अरूण प्रकाश श्रीवास्तव राजनीतिक जागरूकता की बात कही और आहवान किया कि कायस्थ नवजवान राजनीति में आयें। संरक्षक इं अनूप सक्सेना, महाप्रबन्धक जल निगमउ०प्र० (अवकाश प्राप्त), ने कहा कि नवजवान अपना उद्योग व्यापार स्थापित कर स्वयं के साथ दूसरों को भी रोजगार देने का काम करें। जे० के० श्रीवास्तव, अवकाश प्राप्त मुख्य अभियन्ता लोक निर्माण विभाग ने कहा कि महापुरूषों की जयन्ती मनाने का सुझाव दिया मा० अन्जनी कुमार श्रीवास्त उपविजेता, भाजपा पश्चिम विधानसभा लखनऊ ने कहाकि संगठन के लिए नीत, नियत, और नेतृत्व की आवश्यता होती है संगठन को वार्ड स्तर तक मजबूत करने का काम करें, प्रदेश अध्यक्ष सभासद अनूप कमल सक्सेना ने कायस्थ समाज के वैभव के विषय में बताया, महासचिव श्री रामायण श्रीवास्तव ने बताया आगामी दिसम्बर माह मे सामूहिक विवाह में 51 जोडो का विवाह कराया जायगा। बैठक में मुख्यरूप से वरिष्ठ कायस्थ नेता सुमित निगम, युवा अध्यक्ष प्रियम श्रीवास्तव, युवा महाचिव गौरव श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष–नीरज सक्सेना प्रदेश सचिव अम्बुज निगम, प्रदेश संयुक्त सचिव कमलेश श्रीवास्तव महिला अध्यक्ष प्रिया अस्थाना, महासचिव शिवानी निगम, रचना श्रीवास्तव वीरेन्द्र सिन्हा, राजीव रायजादा राम मोहन श्रीवास्तव प्रदेश महा सचिव विनीत किशोर सक्सेना, डा०समीर सक्सेना, आर०पी० श्रीवास्तव, दिनेश श्रीवास्तव महानगर अध्यक्ष दीपक श्रीवास्तव सहित अनेक महपुरूषों की चित्रगुप्त समितियो के प्रतिनिधियों सहित अनेको कायस्थ समाज के वरिष्ठ लोग उपस्थित रहे। संचालन महासचिव आशीष श्रीवास्तव, धन्यवाद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हेमन्त कुमार ने किया।

एकेटीयू ने संबद्ध संस्थानों से मांगी छात्रों के प्लेसमेंट की सूचना

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉ० एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय ने अपने संबद्ध संस्थानों से पिछले दो सालों में छात्रों के प्लेसमेंट की जानकारी मांगी है। संस्थानों के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग की ओर से विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से सत्र 2022–23 एवं 2023–24 में कितने छात्र–छात्राएं पंजीकृत हैं और कितने रोजगार प्राप्त हुए हैं इसकी जानकारी देनी होगी। यह सूचना सभी संबद्ध संस्थानों को 25 अप्रैल तक गूगल फॉर्म के जरिये विश्वविद्यालय को उपलब्ध करानी है। प्रदेश में रोजगार के अवसर को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पांडेय के निर्देशन में लगातार कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय की ओर से लगातार कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें काफी संख्या में छात्र–छात्राओं का चयन विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अच्छे पद और पैकेज पर हुआ है।

श्रीकला धनन्जय सिंह को हर वर्ग समुदाय का मिल रहा समर्थन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जैसे–जैसे चुनाव की तिथि नजदीक आ रही है वैसे–वैसे उम्मीदवारों की दिलों की धड़कनें तेज होती जा रही है उम्मीदवार सुबह से ही मतदाताओं की गणेश परिक्रमा करने में जुट गए हैं विभिन्न

राजनीतिक दालों के उम्मीदवार अपने–अपने समर्थकों के साथ गांव–गांव की पगडंडियों पर झंडा बैनर पोस्टर लेकर तपती धूप में भी चलते नजर आ रहे हैं। लोकसभा (73) सदर सीट से बसपा उम्मीदवार श्रीकला धनन्जय सिंह ने भी जोर शोर से प्रचार शुरू कर दिया है अपने समर्थकों के साथ दिन दोपहर गांव गलियों पगडंडियों का सफर करते हुए मतदाताओं के घर–घर दस्तक दे रही हैं और अपने पक्ष में वोट करने के लिए भी लोगों से वोट करने की अपील करते नजर आ रही हैं ऐसा पहली बार है जब जिला पंचायत अध्यक्ष को चुनाव मैदान में अकेले जनसंपर्क करना पड़ रहा है उन्हें भ्रमण के दौरान हर वर्ग का समर्थन मिल रहा हैं इतना ही नहीं महिला हो चाहे युवा या पुरूष सभी मोहल्लों और गांव में पहुचनें पर उनके साथ जुड़कर काफिला का रूप दे दे रहें है। महिला सशक्तिकरण के रूप में अकेले चुनाव की कमान संभाले श्रीकला के साथ किसी भी धर्म समुदाय के लोगो का परहेज नहीं है। हर कोई इन्हें अपना मानकर नारे लगा रहा है। जनता के बीच उन्हें हर कोई आदर और सम्मान के साथ उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहा है सांसद धनंजय सिंह द्वारा किए गए क्षेत्र में कार्यो व खुद के जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में किए गए कार्य के कारण जनता उनके साथ चलती दिखाई दे रही है। प्रत्याशी के रूप में 18 अप्रैल को श्रीकला को बसपा से टिकट घोषित होने के बाद वह 19 अप्रैल को पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों केसाथ जनपद मुख्यालय पर पहुंची यहाँ स्वागत के बाद कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ इसके बाद पार्टी पदाधिकारियों के साथ श्रीकला धनंजय सिंह ने पत्रकारों से भी वार्ता किया और अपनी तमाम उपलब्धियां के साथ–साथ आगामी दिनों में चुनाव जीतने के उपरांत करने वाले कार्यों का भी रूपरेखा साझा किया। इसके बाद से वह लगातार सुबह से लेकर देर शाम तक हर दिन दो दो विधानसभाओं के दर्जनोंमोहल्लां कसबां और गांव में पहुचकर पुरुष महिला और युवतियो से मिल रही है।उनकी मौजूदगी अपने इलाके मे पाकर नए मतदाता युवक एवं युवती अधिक उत्साहित नजर आ रहे हैं। लोगो का उत्साह देखकर इनके साथ चलने वाले भी गदगद नजर आ रहें है। युवा भीड़ में नारे लगा रहें है कि श्रीकला धनन्जय हमारे ऐसे नेता है जो हर स्थिति में मौजूद मिलते है सुख–दुख में हमेशा खडेंघ नजर आते है।

प्रताप मार्केट अमीनाबाद स्थित राम मंदिर में हनुमान जयंती का धूमधाम से हुआ आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रताप मार्केट आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने प्रताप मार्केट स्थित राम मंदिर में हनुमान जयंती धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर आयोजित हनुमान भजन संध्या में भजन सम्राट किशोर चतुर्वेदी ने हनुमान जी के भजन गाए।

भंडारे का हुआ आयोजन एवं प्रसाद का हुआ वितरण

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ,प्रताप मार्केट आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष बलवीर सिंह, उपाध्यक्ष राजीव गुप्ता ,संजीव गुप्ता अनिल गुलानी राजकुमार अग्रवाल, सहित कई भक्तों ने हनुमान जी की आरती की तथा बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

आपको अवगत कराना है नेशनल हेल्थ मिशन द्वारा प्रस्तावित जनरल सर्जन को सीजेरियन प्रशिक्षण की विश्व में पहली बैच की शुरूआत किंग जार्ज के मेडिकल यूनिवर्सिटी

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में दिनांक 22 अप्रैल से 3 मई 2024 तक किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 12 दिन का है जिसमें 2 दिन का प्रशिक्षण प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, किंग जॉर्ज के मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में दिनांक 22 एवं 23 अप्रैल 2024 को दिया गया, एवं अन्य 10 दिन का प्रशिक्षण जिला अस्पताल में दिया जायेगा, तत्पश्चात अन्तिम दिन व पुनः प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, किंग जॉर्ज के मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में Assessment के लिए लौटेंगे। Caesarean training of General Surgeon के इस अवसर पर दिनांक 23 अप्रैल 2024, सुबह 11:30 बजे, आर.सी.एस.एच. कमेटी हॉल, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, किंग जॉर्ज के मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक मुख्य अतिथि और किंग जॉर्ज के मेडिकल यूनिवर्सिटी के माननीय कुलपति जी सम्मानित अतिथि थी। अन्य माननीय अतिथिगण में एन०एच०एम० के अन्य अधिकारी एवं डी०जी० ट्रेनर भी मौजूद थे। यह समारोह उत्तर प्रदेश के चिकित्सा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सीजेरियन प्रशिक्षण के क्षेत्र में सामाजिक सेवा को बढ़ावा देगा और साथ ही संशोधित चिकित्सा सेवाओं के प्रदाताओं की गुणवत्ता को सुनिश्चित करेगा, एवं मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए महत्वपूर्ण कदम होगा सुनिश्चित करेगा। इस अवसर पर मौजूद मिशन

निदेशक श्रीमती पिंकी ज्वैल ने यह भी कहा कि Cesarean का प्रशिक्षण दिया जरूर जा रहा है किन्तु सर्वप्रथम प्रयास Normal डिलीवरी का ही किया जाना चाहिए आवश्यक्ता पड़ने पर ही Cesarean करना चाहिए।

पीजीआई पुलिस ने 02 नफर वांछित अभियुक्त किए गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस बी शिरडकर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट लखनऊ, प्रबल प्रताप सिंह पुलिस उपायुक्त पूर्वी व अमित कुमावत अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी के निर्देशन में एवं श्री पंकज कुमार सिंह सहायक पुलिस आयुक्त कैन्ट लखनऊ के कुशल पर्यवेक्षण में ब्रजेश चन्द्र तिवारी

प्रभारी निरीक्षक थाना– पीजीआई के नेतृत्व में उ0नि0 विकास कुमार तिवारी मय हमराह म0उ0नि0 श्वेता सिंह व हे0का0 रामू यादव का0 प्रशान्त राठी व सौरव राठी व का0 7040 सन्दीप कुमार व म0का0 558 ज्योति के थाना हाजा से रवाना होकर देखभाल क्षेत्र, अपराध व अपराधियों की तलाश हेतु मु0अ0स0–255ध्2024 धारा–392 भादवि से सम्बन्धित अज्ञात अभियुक्त की तलाश व सुरागरसी पतारसी में थाना क्षेत्र में मामूर थे कि जरिये मुखबिर सूचना मिली कि एक संदिग्ध स्कूटी में दो लड़के वृन्दावन क्षेत्र में दिखे है जो वृन्दावन नहर से उत्तरठिया की तरफ आ रहे है इस सूचना पर हम पुलिस वालो द्वारा उत्तरठिया के पास सतर्कता पूर्वक बैरियर लगाकर चेकिंग की जाने लगी तभी दो लड़के एक स्कूटी से आते दिखायी दिये जिसको मुखबिर खास बताये अनुसार एक बारगी दबिश देकर आवश्यक बल प्रयोग कर पकड़ लिया गया। पकड़े गये व्यक्तियों से उनका नाम पता पूछा गया तो एक ने अपना नाम असिमन कुमार पुत्र स्व० राजेन्द्र कुमार उम्र 23 वर्ष निवासी निलमथा थाना कैन्ट लखनऊ व दूसरे ने अपना नाम आयुष सिंह पुत्र महिपाल सिंह उम्र 20 वर्ष निवासी के०के०सी०सी० कारखाना पंडित दीनदयाल पार्क के पास छत्ता का पुल थाना हुसैनगंज लखनऊ बताया। जिसको उसके जुर्म धारा से अवगत कराते हुए गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

डीसीपी पूर्वी प्रबल प्रताप सिंह ने कहा कि मुकदमा वादिनी मोनी सिंह द्वारा थाना स्थानीय पर लिखित तहरीर दी गयी कि मै पीजीआई अस्पताल अपने भाई को देखने जा रही थी कि पंजाब नेशनल बैंक उत्तरठिया के पास दो स्कूटी सवार अज्ञात लड़को द्वारा मेरे गले की चौन छिना कर भाग गये, की लिखित तहरीर पर मु0अ0स0–255/2024 धारा–392/411 भादवि पंजीकृत कर विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में सीसीटीवी फुटेज व मुखबिर खास की सूचना पर उक्त लूट करने वाले अभियुक्तगण असिमन कुमार पुत्र स्व० राजेन्द्र कुमार उम्र 23 वर्ष निवासी निलमथा थाना कैन्ट लखनऊ व दूसरे ने अपना नाम आयुष सिंह पुत्र स्व० महा पाल सिंह उम्र 20 वर्ष निवासी के०के०सी०सी० कारखाना पंडित दीनदयाल पार्क के पास छत्ता का पुल थाना हुसैनगंज को लूटी गयी चौन के साथ गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

टिफिन बैठक का उद्देश्य नए लोगों को जोड़कर पार्टी को और मजबूत करना - कृपाशंकर सिंह

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी जौनपुर लोकसभा के सभी पोलिंग स्टेशन पर एक साथ टिफिन बैठक हुई जिसमे सभी बूथ अध्यक्ष, बूथ समिति, पन्ना प्रमुख और सम्मानित जनता और उस बूथ पर निवास करने वाले मंडल पदाधिकारी जिला पदाधिकारी और प्रदेश के पदाधिकारी और सभी मोर्चा के पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं में एकजुटता और पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए नए लोगों को पार्टी से जोड़ना ही टिफिन बैठक का उद्देश्य है। टिफिन बैठक का अर्थ सिर्फ टिफिन खाना ही नहीं है। इस बैठक के माध्यम से इस तरह की अनौपचारिक बैठकें करते रहना है। टिफिन बैठक में हमको अपने टिफिन का खाना दूसरे को खिलाना है इससे हम सभी में अधिक एकता का संचार हो और अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर पार्टी की ताकत कैसे बढ़ानी है, उस पर भी कार्य करना है। यह बातें विधानसभा मल्हनी मे हुई टिफिन बैठक और जन चौपाल में पहुंचे लोकसभा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने कहीं। उन्होंने पहले सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा की फिर सभी कार्यकर्ताओं के समक्ष अपनी बात रखी। उन्होंने कहा की सबको साथ लेकर चलने वाला व्यक्ति ही आगे बढ़ेगा। ईमानदारी से काम और संतुष्टि ही हमारे लिए सबसे बड़ा सर्टिफिकेट है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को बेहतर काम करने की नसीहत दी। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों के साथ टिफिन से खाना खाया और बातचीत की। इस दौरान कार्यकर्ताओं की बातों को भी उन्होंने गौर से सुना। जिलाध्यक्ष भाजपा के इतिहास को बताते हुए कहा कि भाजपा दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी बाजपेई जैसे ऋषियों मुनियों के व्यक्तित्व वालों के त्याग बलिदान से खड़ी हुई पार्टी है जिसमें वंशवाद नहीं अपितु कार्यकर्ता निर्माण का सिद्धांत है। भाजपा में एक चायवाला प्रधानमंत्री बन सकता है। एक आम कार्यकर्ता पार्टी में उच्च पद प्राप्त कर सकता है। अनुशासन पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि मंच सपा बसपा में टूटते हैं जबकि भाजपा का कार्यकर्ता अनुशासित होता है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक   देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।